साध्य दैनिक

नई दृष्टिबिंदु

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

वर्ष–01 अंक–202 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, सोमवार 10 अगस्त 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

सु-विचार

" जीवन में उन सपनो का कोई महत्व नहीं जिनको पूरा करने के लिए अपनों से ही छल करना पड़े ...!!

अज्ञात...

रायपुर में तिरंगा यात्रा : सीएम साय बोले– "राष्ट्र सर्वोपरि, तिरंगा एकता का प्रतीक"

इनडोर स्टेडियम से सुभाष स्टेडियम तक निकलेगी भव्य यात्रा, नक्सलवाद खत्म होने का भी किया जिक्र

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर।

"हर घर तिरंगा" अभियान के तहत राजधानी रायपुर के इनडोर स्टेडियम में रविवार को भव्य तिरंगा यात्रा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उनके साथ उपमुख्यमंत्री अरुण साव और विजय शर्मा भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में मंत्री ओपी चौधरी, राजेश अग्रवाल, गुरु खुशवंत साहेब के साथ विधायक, महापौर, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित थे। पूरे स्टेडियम में तिरंगे की गूंज और देशभक्ति के नारों से माहौल देशभक्तिमय हो गया।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। इसके बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सभा को संबोधित किया। सीएम साय ने कहा, "हम सभी के लिए राष्ट्र सर्वोपरि है। तिरंगा झंडा हम सभी को एक सूत्र में बांधकर रखता है। तिरंगा केवल एक झंडा नहीं है, बल्कि यह देश की एकता, अखंडता और गौरव का प्रतीक है।" मुख्यमंत्री ने "हर घर तिरंगा" अभियान के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के आह्वान पर तिरंगा यात्रा अब देशभर में एक आंदोलन का रूप ले चुकी है। "यह अवसर देश के महापुरुषों और

स्वतंत्रता संग्राम में अपना बलिदान देने वाले शहीदों को याद करने और उन्हें नमन करने का भी है। आज देशभर में तिरंगे को लेकर लोगों में अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिल रहा है," सीएम ने कहा

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के खिलाफ मिली बड़ी सफलता का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, "आज छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद जैसी समस्या खत्म हुई है। जवानों के अदम्य साहस और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के संकल्प से यह लक्ष्य पूरा हो सका है। जो काम कभी असंभव सा लगता था, वह सभी के सहयोग और सामूहिक प्रयास से संभव हुआ है।"

.इनडोर से सुभाष स्टेडियम तक निकलेगी यात्रा.

कार्यक्रम के बाद इनडोर स्टेडियम से सुभाष स्टेडियम तक तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों ने हाथों में तिरंगा लेकर भाग लिया। आयोजकों के अनुसार यात्रा के दौरान देशभक्ति गीतों और नारों से पूरा रास्ता गूंज उठा। लोगों में तिरंगे के प्रति उत्साह देखते ही बन रहा था। इस अवसर पर प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में भाजपा कार्यकर्ताओं की अहम भूमिका रही।

बीएसपी स्क्रैप कांड : हिमांशु ब्रदर्स का ठेका शॉर्ट क्लोज, आरोपियों के बैंक खाते फ्रीज करने की प्रक्रिया शुरू

250 टन चोरी, 3 .22 करोड़ का माल बरामद, 4 आरोपी अब भी फरार

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

बीएसपी में 250 टन लौह स्क्रैप चोरी के हाई–प्रोफाइल मामले में प्रबंधन ने बड़ी कारर्वाई की है। आरोपी ठेकेदार हिमांशु ब्रदर्स का ठेका शॉर्ट क्लोज कर दिया गया है और अब फ्लू डस्ट शिफ्टिंग का काम दूसरी एजेंसी को सौंपा गया है। साथ ही फरार आरोपियों की एजेंसियों को ब्लॉक कराने और बैंक खाते फ्रीज करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

कैसे हुआ 250 टन का घोटाला.

जांच में सामने आया कि हिमांशु ब्रदर्स को बीएफ–8 से फ्लू डस्ट को मगडम में शिफ्ट करने और वहां से आरडीके इंडस्ट्री के यार्ड भेजने का ठेका मिला था। लेकिन मगडम से बिल्टी आरडीके के नाम पर बनाई जाती थी और माल कथित तौर पर अकलोरडीह स्थित एके ट्रेडर्स के गोदाम पहुंचाया जा रहा था।

26 मई को दुर्ग एटीएस और भिलाई–3 पुलिस ने एके ट्रेडर्स पर छापा मारकर करीब 250 टन बीएसपी का चोरी का लौह स्क्रैप जब्त किया था। बरामद माल की कीमत लगभग 3.22 करोड़ रुपये आंकी गई है।

.17 गिरफ्तार, 4 अब भी फरार.

इस मामले में अब तक बीएसपी के एक महाप्रबंधक, एसोसिएट इंजीनियर, ट्रांसपोर्टर, सुपरवाइजर और चोरी का माल खपाने वाले कारोबारियों सहित 17 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। फिलहाल 4 आरोपी फरार हैं। इनमें गिरीश खंडेलवाल, ट्रांसपोर्टर अभय सिंह और एके ट्रेडर्स के गोदाम संचालक सलीम शामिल हैं। आरोपी हिमांशु खंडेलवाल फरारी के दौरान हाईकोर्ट से अग्रिम जमानत ले चुका है। पुलिस ने जांच के दौरान हिमांशु ब्रदर्स के नाम से दर्ज एक वाहन भी जब्त किया है।

.रिमांड में उगले कई राज.

गिरफ्तार आरोपी भास्कर मुदलियार उर्फ बाचू को 3 दिन के रिमांड पर लेकर पूछताछ की गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार उसने बीएसपी में वर्षों से चल रहे स्क्रैप चोरी के नेटवर्क के बारे में अहम जानकारी दी है। आरोप है कि वह चोरी का स्क्रैप खरीदकर अपनी फैक्ट्री में डंप कराता था और बाद में रसमड़ा व रायपुर की आयरन फैक्ट्रियों में बेच देता था। एसपी दुर्ग विजय अग्रवाल ने कहा, "आरोपी से पूछताछ में कई जानकारियां मिली हैं जिससे आगे जांच को दिशा मिलेगी। मामले की विवेचना लगातार जारी है। आवश्यकता पड़ने पर अन्य आरोपियों को भी रिमांड पर लेकर पूछताछ की जाएगी।"

.प्रबंधन की कड़ी कारर्वाई.

बीएसपी प्रबंधन ने पुलिस जांच के बाद हिमांशु ब्रदर्स का ठेका तत्काल प्रभाव से खत्म कर दिया है। पत्राचार कर फरार आरोपियों की एजेंसियों को ब्लैकलिस्ट और बैंक खाते फ्रीज कराने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि विवेचना के आधार पर फरार आरोपियों की तलाश जारी है और रैकेट में शामिल अन्य लोगों पर भी कारर्वाई होगी।

अम्बेडकर अस्पताल का कीतिर्मान 20 दिन में फेफड़े की 9 लोबेक्टॉमी सर्जरी, 15 साल के बच्चे का भी सफल ऑपरेशन

2 महीने में कुल 13 जटिल सर्जरी, आयुष्मान योजना के तहत मुफ्त इलाज

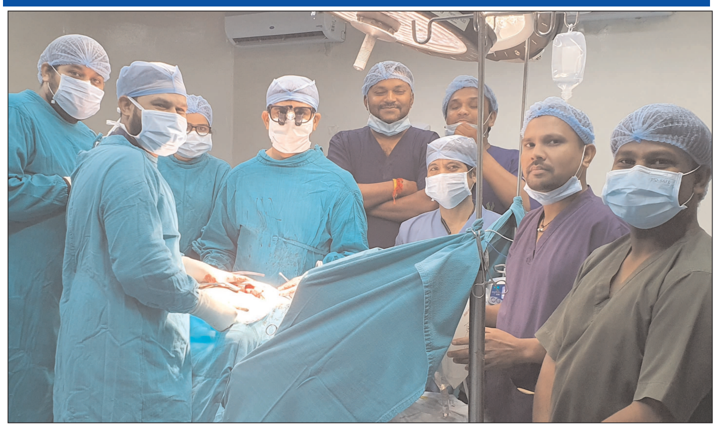

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर।

डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय, रायपुर के हार्ट–चेस्ट एवं वैस्कुलर सर्जरी विभाग ने फेफड़ों की जटिल सर्जरी में नया रिकॉर्ड बनाया है। विभाग ने मात्र 20 दिनों में फेफड़े की 9 लोबेक्टॉमी सर्जरी सफलतापूर्वक कीं। इसे मिलाकर पिछले 2 महीनों में कुल 13 लोबेक्टॉमी की जा चुकी हैं।

इस उपलब्धि के साथ अम्बेडकर अस्पताल छत्तीसगढ़ में फेफड़ों की सर्जरी के क्षेत्र में अग्रणी संस्थान के रूप में स्थापित हुआ है।

इन सर्जरियों में सबसे कम उम्र का मरीज 15 साल का बच्चा था। बच्चे के बाएं फेफड़े के ऊपरी लोब में एस्परजिलोमा नामक फंगस का संक्रमण था। इसके अलावा आपातकालीन स्थिति में 2 मरीजों की सर्जरी की गई जिन्हें खांसी के साथ अत्यधिक रक्तस्राव हो रहा था। ऑपरेशन कराने वाले मरीजों की उम्र 15 साल से 70 साल तक रही। सभी सर्जरी आधुनिक एडवांस्ड लंग स्टेपलर तकनीक से की गई।

.क्या है लोबेक्टॉमी सर्जरी.

हार्ट–चेस्ट एवं वैस्कुलर सर्जरी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. कृष्णकांत साहू ने बताया कि लोबेक्टॉमी में फेफड़े के क्षतिग्रस्त हिस्से को निकाल दिया जाता है। यह बेहद जटिल सर्जरी है। एडवांस्ड लंग स्टेपलर के इस्तेमाल से ऑपरेशन के बाद ब्रोन्कोप्लूरल फिस्टुला जैसी जटिलता होने की संभावना बहुत कम हो जाती है। सामान्यतः 6–8 दिनों में मरीज को डिस्चार्ज कर दिया जाता है। डॉ. साहू ने कहा, "छत्तीसगढ़ के किसी भी सरकारी या निजी संस्थान की तुलना में इतने कम समय में इतनी लोबेक्टॉमी होना हमारे लिए कीतिर्मान है और प्रदेश के लिए गौरव की बात है।"

.क्यों होती है जरूरत.

छत्तीसगढ़ में लोबेक्टॉमी का मुख्य कारण एस्परजिलोमा और ब्रोन्किएक्टैसिस है। एस्परजिलोमा एस्परजिलस नाइजर फंगस से होता है और ज्यादातर टीबी के मरीजों या कम इम्युनिटी वाले लोगों को होता है। ब्रोन्किएक्टैसिस भी टीबी के बाद होने वाली आम बीमारी है जिसमें खांसी के साथ खून आता है। इसके अलावा फेफड़े का कैंसर प्रारंभिक अवस्था में हो तो लोबेक्टॉमी से पूरी तरह निजात पाई जा सकती है।

.देशभर से आते हैं मरीज.

अम्बेडकर अस्पताल में हर साल 15 से 20 लोबेक्टॉमी सर्जरी होती हैं। यहां डिकॉर्टिकेशन, सेगमेंटेक्टॉमी और न्यूमोनेक्टॉमी जैसी फेफड़े की अन्य जटिल सर्जरी भी की जाती हैं। अस्पताल में सिर्फ छत्तीसगढ़ से ही नहीं, बल्कि बिहार, झारखंड, ओडिशा, मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश से भी मरीज इलाज कराने आते हैं। सभी ऑपरेशन आयुष्मान योजना के तहत निशुल्क किए जाते हैं। फिलहाल विभाग में लोबेक्टॉमी के लिए कुछ मरीज प्रतीक्षारत हैं।

एसएसपी के आदेश की अनदेखी भारी पड़ी, भिलाई भट्ठी थाना प्रभारी हटाए गए

निरीक्षक दिलेश्वर चंद्रवंशी ने संभाला भिलाई भट्ठी थाने का प्रभार

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल के आदेशों की अनदेखी करना भिलाई भट्ठी थाना प्रभारी निरीक्षक प्रकाश कांत को भारी पड़ गया। एसएसपी ने उन्हें तत्काल प्रभाव से भिलाई भट्ठी थाना प्रभारी के पद से हटाकर पुलिस लाइन अटैच कर दिया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार अनुशासनहीनता और वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों का पालन न करने के कारण यह कारर्वाई की गई है भिलाई भट्ठी थाने का नया प्रभार निरीक्षक दिलेश्वर चंद्रवंशी को सौंपा गया है। उन्होंने शनिवार को भिलाई भट्ठी थाने में आमद दे दी है और पदभार ग्रहण कर लिया है। दिलेश्वर चंद्रवंशी इससे पूर्व बालोद जिले में पदस्थ थे। पुलिस विभाग में इस फेरबदल के बाद भिलाई भट्ठी क्षेत्र में कानून–व्यवस्था और सख्ती से काम करने के संकेत दिए जा रहे हैं।

असम बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए छत्तीसगढ़ सरकार देगी 5 करोड़ रुपये

रायपुर। असम में बाढ़ से बनी गंभीर स्थिति के बीच छत्तीसगढ़ सरकार ने मानवीय सहयोग के तौर पर 5 करोड़ रुपये की सहायता राशि देने का निर्णय लिया है। यह राशि असम में चल रहे राहत और पुनर्वास कार्यों में सहयोग के लिए दी जाएगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा से दूरभाष पर बात कर बाढ़ से उत्पन्न परिस्थितियों की जानकारी ली। उन्होंने बाढ़ प्रभावित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। मुख्यमंत्री साय ने कहा, "प्राकृतिक आपदा की इस कठिन घड़ी में छत्तीसगढ़ की जनता असम के अपने भाई–बहनों के साथ पूरी एकजुटता से खड़ी है।" राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि बाढ़ प्रभावितों की हर संभव मदद के लिए छत्तीसगढ़ असम के साथ है।

राजनांदगांव में 25वीं छत्तीसगढ़ स्टेट जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट का शुभारंभ

विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह और उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने किया उद्घाटन

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव।

जिला बैडमिंटन एसोसिएशन राजनांदगांव के तत्वावधान में 25वीं छत्तीसगढ़ स्टेट जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट 2026–27 का शुभारंभ शनिवार को दिग्विजय स्टेडियम में हुआ। विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह और उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने संयुक्त रूप से प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। प्रतियोगिता में अंडर–19 बालक और बालिका वर्ग के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। यह टूर्नामेंट 9 अगस्त से 13 अगस्त 2026 तक चलेगा।

खिलाड़ियों को दी शुभकामनाएं.

विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राजनांदगांव में प्रदेश स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता होना गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि राजनांदगांव खेल प्रतिभाओं की धरती है। हॉकी, फुटबॉल, क्रिकेट, बास्केटबॉल, बैडमिंटन, जूडो, कराटे और कुश्ती सहित विभिन्न खेलों में यहां के खिलाड़ी लगातार आगे बढ़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि राजनांदगांव को खेल नगरी के रूप में विकसित करने के लिए खेल अधोसंरचना को मजबूत किया जा रहा है। मैदान, कोर्ट, प्रशिक्षण सुविधाएं और अन्य संसाधन उपलब्ध कराने पर काम हो रहा है। सरकार द्वारा खेलों को बढ़ावा देने के लिए बड़े स्तर पर राशि का प्रावधान किया गया है। खिलाड़ियों के प्रशिक्षण, कोचिंग और खेल अधोसंरचना के विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

.खेलों के लिए 100 करोड़ का प्रावधान.

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि राजनांदगांव अब संस्कारधानी के साथ खेलों की राजधानी के रूप में भी पहचान बना रहा है। ज्ञानेश्वरी यादव जैसी प्रतिभाओं ने विश्व स्तर पर जिले का नाम रोशन किया है। उन्होंने बताया कि सरकार बनने के बाद 156 खिलाड़ियों को उत्कृष्ट खिलाड़ी घोषित किया गया है। मुख्यमंत्री खेल उत्कर्ष मिशन के लिए 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिसका उपयोग खेल अधोसंरचना, प्रशिक्षण और खिलाड़ियों की सुविधाओं के विकास में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बैडमिंटन एसोसिएशन द्वारा अधोसंरचना के संबंध में प्रस्ताव दिए जाने पर बजट का प्रावधान करने पर विचार किया जाएगा। सांसद संतोष पाण्डेय ने कहा कि राजनांदगांव के खिलाड़ियों ने प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है। उन्होंने दिग्विजय स्टेडियम परिसर में उपलब्ध संसाधनों का खिलाड़ियों के हित में बेहतर उपयोग और बैडमिंटन सहित अन्य खेलों के लिए अधोसंरचना विकसित करने पर जोर दिया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ बैडमिंटन संघ के अध्यक्ष विक्रम सिंह सिसोदिया ने स्वागत उद्बोधन दिया। राजगामी संपदा न्यास अध्यक्ष पूणिर्मा साहू, कोमल सिंह राजपूत, रमेश पटेल, राजेश श्यामकर, योगेश बागड़ी, सीईओ जिला पंचायत दुर्गा प्रसाद अधिकारी, अपर कलेक्टर सीएल मारकण्डेय सहित जनप्रतिनिधि, एसोसिएशन के पदाधिकारी, कोच और बड़ी संख्या में खिलाड़ी उपस्थित थे।

भिलाई की बसाहट के नाम पर राजनीतिक नौटंकी बंद करें : भोजराज

भाजपा नेता ने विधायक देवेंद्र यादव से पूछे 5 सवाल, सत्ता में रहते किए गए कामों का मांगा हिसाब

नई दृष्टिबिंदु /भिलाई।

नगर पालिक निगम भिलाई के नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा ने भिलाई टाउन के लीजधारियों और लाइसेंसधारियों के मुद्दे पर कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव के प्रदर्शन को राजनीतिक दिखावा करार दिया है। उन्होंने कहा कि भिलाई की बसाहट के नाम पर जनता को गुमराह करने की कोशिश बंद होनी चाहिए।

सत्ता में रहते 5 साल क्या किया?

भोजराज सिन्हा ने कहा कि दुर्ग सांसद विजय बघेल और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पाण्डेय पहले ही सार्वजनिक रूप से लीजधारियों और लाइसेंसधारियों को आश्वस्त कर चुके हैं। सांसद विजय बघेल ने मीडिया संवाद में भी स्पष्ट भूमिका रखी है। ऐसे में देवेंद्र यादव द्वारा अचानक बीएसपी प्रबंधन का घेराव कर "भिलाई की बसाहट को खत्म नहीं होने देंगे" जैसा बयान देना केवल राजनीतिक भ्रम पैदा करना है।

भाजपा नेता ने विधायक देवेंद्र यादव से पूछे 5 सवाल, सत्ता में रहते किए गए कामों का मांगा हिसाब

"जनता को भावनात्मक राजनीति नहीं, समाधान चाहिए"

भोजराज सिन्हा ने कहा कि जब सत्ता, सरकार और विधानसभा में बहुमत कांग्रेस के पास था, तब भिलाई टाउन की बसाहट के लिए क्या किया गया? आज सत्ता से बाहर होने के बाद बीएसपी का घेराव कर किसे जवाब दिया जा रहा है - भिलाई की जनता को या अपनी राजनीतिक विफलता को? उन्होंने कहा कि "मेरी लाश निकल जाएगी" जैसे भावनात्मक बयान किसी जनप्रतिनिधि को शोभा नहीं देते। भिलाई की जनता को भाषण नहीं, संवाद, प्रस्ताव, कानूनी प्रक्रिया और स्थायी समाधान चाहिए। भोजराज सिन्हा ने कहा कि भाजपा इस विषय को राजनीतिक स्टंट नहीं बल्कि हजारों परिवारों के भविष्य का मुद्दा मानती है। दुर्ग सांसद विजय बघेल लगातार इसे गंभीरता से उठा रहे हैं। भाजपा लीजधारियों और लाइसेंसधारियों के हितों की रक्षा के लिए हर लोकतांत्रिक और संवैधानिक मंच पर आवाज उठाएगी। बीएसपी प्रबंधन, केंद्र सरकार और संबंधित पक्षों के बीच सार्थक संवाद कर स्थायी समाधान निकाला जाना चाहिए।

विधायक देवेंद्र यादव से 5 सीधे सवाल पूछे

* दो बार विधायक रहे कायर्काल में- भिलाई टाउन के लीजधारियों और लाइसेंसधारियों के लिए कौन सा ठोस निर्णय कराया?
* कांग्रेस सरकार के समय- बीएसपी प्रबंधन के साथ कितनी संयुक्त बैठकें कीं और परिणाम क्या रहा?
* कांग्रेस की 15 साल की महापौर परिषद- में इस विषय पर कितनी बार प्रस्ताव लाया गया?
* नगर निगम की सामान्य सभा- में कांग्रेस ने इस पर कौन सा ठोस प्रस्ताव पारित कराया?
* पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सरकार- में विधानसभा में भिलाई टाउन की समस्या उठाकर भारत सरकार को ठोस प्रस्ताव क्यों नहीं भेजा?

वार्ड 35 के निर्वाचित पार्षद चंदन यादव ने ली शपथ

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के वार्ड क्रमांक 35 से निर्वाचित पार्षद चंदन यादव ने शपथ ली। नगर निगम आयुक्त द्वारा जारी आदेश के अनुसार शपथ ग्रहण समारोह सोमवार को पूर्वान्ह 11.00 बजे. जिला कलेक्टर कार्यालय दुर्ग के सभागार कक्ष में हुआ। शपथ जिला कलेक्टर अभिजीत ने शपथ दिलाई। नगर निगम ने बताया कि यह शपथ ग्रहण माननीय छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर के न्यायालयीन प्रकरण क्रमांक डब्ल्यूपीसी नो. 5555/2024 एवं डब्ल्यूपीसी नो. 1808/2025 में दिनांक 07.07.2026 को पारित आदेश के परिप्रेक्ष्य में छ.ग. नगर पालिका अधिनियम 1956 की धारा 17ख (2) के तहत कराई जा रही है। शपथ ग्रहण में नगर निगम कमिश्नर सुरूची सिंह, पूर्व नगर पालिक निगम के सभापति राजेन्द्र अरोरा, अखिलेश सिंह बंटी एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

खास खबर

स्पा सेंटर की आड़ में देह व्यापार का भंडाफोड़, मैनेजर समेत 9 गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु /दुर्ग।

स्मृतिनगर पुलिस की रेड 4 लाख के 19 मोबाइल और नगदी जब्त

स्मृतिनगर पुलिस ने जुनवानी स्थित ली वेलनेस स्पा सेंटर में देह व्यापार का खुलासा करते हुए मैनेजर और महिला दलाल सहित 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मौके से करीब 4 लाख रुपये कीमत के 19 मोबाइल और 1,900 रुपये नगद भी जप्त किए गए हैं।

मुखबिर की सूचना पर हुई रेड

पुलिस को सूचना मिली थी कि जुनवानी स्थित ली वेलनेस स्पा सेंटर में स्पा की आड़ में देह व्यापार चलाया जा रहा है। सूचना पर स्मृतिनगर पुलिस की टीम ने तत्काल छापा मारा। कार्रवाई के दौरान स्पा मैनेजर तनय सोनी और महिला दलाल हेमा सिंह उर्फ प्रीत सहित कुल 9 लोगों को पकड़ा गया। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी मैनेजर पैसे लेकर ग्राहकों को महिलाएं उपलब्ध कराता था। महिला दलाल हेमा सिंह के माध्यम से लड़कियों को बुलाया जाता था।

.जप्त हुई सामग्री.

पुलिस ने मौके से ग्राहकों से प्राप्त 1,900 रुपये नगद, 19 मोबाइल फोन कीमत लगभग 4,00,000 रुपये, ग्राहकों और देह व्यापार में शामिल लोगों की जानकारी वाले दस्तावेज और आपत्तिजनक सामग्री जब्त की है।

गिरफ्तार आरोपी

1. तनय सोनी, 23 वर्ष, निवासी पद्मनाभपुर - स्पा मैनेजर
2. हेमा सिंह उर्फ प्रीत, 32 वर्ष, निवासी राधिका नगर - महिला दलाल
3. रूपेन्द्र जंघेल, 39 वर्ष, निवासी जुनवानी
4. रितिक सोनी, 26 वर्ष, निवासी उरला
5. दिनेन्द्र कुमार सोनी, 27 वर्ष, निवासी पुरानी बस्ती
6. हेमंत सिन्हा, 28 वर्ष, निवासी बोर्सी
7. अविनाश शर्मा उर्फ अभी, 32 वर्ष, निवासी जामुल
8. आनंद कुमार, 31 वर्ष, निवासी वैशाली नगर
9. अरुण पाण्डेय, 24 वर्ष, निवासी स्मृति नगर

आरोपियों के खिलाफ अनैतिक देह व्यापार (निवारण) अधिनियम 1956 की धारा 3, 4, 5 एवं 7 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

.पुलिस की अपील.

दुर्ग पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि स्पा, होटल या अन्य संस्थान में किसी भी अवैध गतिविधि की जानकारी मिलने पर तुरंत पुलिस को सूचित करें। अवैध काम में संलिप्त लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दुर्ग यातायात पुलिस का अभियान : 1 सप्ताह में 1215 वाहनों पर ई-चालान, 167 दुकानदारों को नोटिस

NH-53 और मुख्य मार्गों से हटाया गया अतिक्रमण, अवैध पार्किंग पर सख्ती

नई दृष्टिबिंदु /भिलाईनगर

यातायात पुलिस दुर्ग द्वारा शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए ठल-53, मुख्य मार्गों और सर्विस रोड पर अतिक्रमण व अव्यवस्थित पार्किंग के खिलाफ पिछले 1 सप्ताह से लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

***नगर निगम के साथ संयुक्त कार्रवाई**

यह अभियान नगर निगम भिलाई, नगर निगम दुर्ग, नगर निगम चरोदा और नगर पालिका कुम्हारी के साथ मिलकर किया जा रहा है। अभियान के तहत सड़क किनारे दुकान लगाकर या सामान रखकर यातायात बाधित करने वाले .167 दुकानदारों को नोटिस. दिए गए। साथ ही .सड़क में बाधा उत्पन्न करने वाले 09 दुकानदारों. के विरुद्ध इठर की धारा 152 के तहत कार्रवाई की गई।

.यातायात पुलिस की अपील.

यातायात पुलिस ने सभी दुकानदारों, वाहन चालकों और ठेला संचालकों से अपील की है कि सड़क और सर्विस रोड पर अतिक्रमण या अव्यवस्थित पार्किंग न करें। सड़क सार्वजनिक आवागमन के लिए है। सड़क पर सामान या वाहन खड़ा करने से जाम और दुर्घटना की संभावना बढ़ती है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि सड़क को अतिक्रमण मुक्त रखने का यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। नियम तोड़ने वालों पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। ठेला और गुमटी संचालकों को भी सड़क किनारे या पैदल मार्ग पर सामान न रखने की समझाईश दी गइ

1 सप्ताह का आंकड़े

* 1215 वाहनों. पर नो-पार्किंग में ई-चालानः दुर्ग 256, सुपेला 567, भिलाई 03 में 392
* 97 कंडम वाहनों. को हटाया गया
* सुपेला और पॉवर हाउस क्षेत्र में ऑटो डीलरों द्वारा सड़क पर खड़े किए गए वाहनों को हटाकर ई-चालान की कार्रवाई की गई
*ऑटो और ई-रिक्शा चालकों. को पॉवर हाउस बस स्टैंड में ही वाहन खड़ा करने के निर्देश दिए गए ।

कुम्हारी पुलिस की कार्रवाई 1.148 किलो गांजा के साथ एकआरोपी गिरफ्तार

NDPS एक्ट के तहत केस दर्ज, आरोपी भेजा गया जेल

नई दृष्टिबिंदु /कुम्हारी।

दुर्ग पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना कुम्हारी पुलिस ने अवैध गांजा बिक्री करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 1.148 किलोग्राम गांजा जप्त की गई है, जिसकी कीमत लगभग 57,400 रुपये बताई जा रही है।

पुलिस को सूचना मिली थी कि ग्राम रूपनगर उड़िया बस्ती स्थित सुलभ शौचालय के सामने एक व्यक्ति अवैध रूप से गांजा बिक्री के लिए ग्राहक का इंतजार कर रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने तत्काल रेड की। मौके पर आरोपी सुजीत बेसरा को गांजा के साथ पकड़ा गया। पूछताछ में आरोपी ने अवैध लाभ के लिए गांजा बिक्री करना स्वीकार किया। सुजीत बेसरा पिता स्व. धनीराम, उम्र 30 वर्ष, निवासी रूपनगर, कुम्हारी

आरोपी के विरुद्ध NDPS एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर 09.08.2026 को न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। दुर्ग पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि अवैध शराब, गांजा और अन्य नशीले पदार्थों की बिक्री, परिवहन या संग्रहण से दूर रहें। इस प्रकार की गतिविधियों में संलिप्त लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। अवैध नशे की सूचना मिलने पर तुरंत पुलिस को सूचित करें।

पूर्व PM चंद्रशेखर के विचार आज भी प्रासंगिक : भिलाई में मनाई जन्म शताब्दी

राणा प्रताप भवन में संगोष्ठी, वक्ताओं ने लोकतांत्रिक मूल्यों को किया याद

नई दृष्टिबिंदु /भिलाई।

पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चंद्रशेखर की जन्म शताब्दी के अवसर पर शनिवार को राणा प्रताप भवन, भिलाई में संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम में वक्ताओं ने उन्हें प्रखर वक्ता, विद्वान राजनीतिज्ञ और जमीनी नेता के रूप में याद करते हुए कहा कि उनके विचार आज के समय में पहले से अधिक प्रासंगिक हैं।

वक्ताओं ने कहा कि स्व. चंद्रशेखर संसदीय परंपराओं, लोकतांत्रिक मूल्यों और सामाजिक परिवर्तन के प्रबल समर्थक थे। वे व्यक्तिगत राजनीति के विरोधी और वैचारिक राजनीति के पक्षधर थे। उनका मानना था कि सत्ता जनसेवा का माध्यम है और लोकतंत्र की पहुंच समाज के अंतिम व्यक्ति तक होनी चाहिए।

इस दौरान उनके चर्चित कथन "जिन हाथों में शक्ति भरी है राजतिलक करने की, उन हाथों में उतनी ताकत है गला उतार देने की" का उल्लेख कर सत्ता और जनता के बीच जिम्मेदारी के संतुलन पर बल दिया गया।

कार्यक्रम में ये रहे उपस्थित

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश के पूर्व मंत्री रमाशंकर सिंह और विशेष अतिथि अरुण श्रीवास्तव-, राष्ट्रीय संयोजक चंद्रशेखर जन्मशती आयोजन समिति, भारत रहे। अध्यक्षता दुर्ग बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष -के.एल. तिवारी- ने की। विशेष वक्ता के रूप में पूर्व विधायक -प्रदीप चौबे-, -एचएस मिश्रा-, -विनोद सोनी-, पूर्व प्राचार्य -श्री शुक्ला- और -विनय सिंह- ने स्व. चंद्रशेखर के राजनीतिक जीवन और लोकतंत्र के प्रति उनकी प्रतिबद्धता पर विचार रखे। कार्यक्रम में -सुरेश सिंह, अभय सिंह 'मोबाइल बाबा', उत्तम सिंह, अशोक पंडा, विनोद मिश्रा, मुमताज- सहित अनेक नागरिक उपस्थित रहे। संचालन एवं आभार प्रदर्शन आयोजन समिति के आयोजक -त्रिलोक मिश्रा- ने किया।

दुर्ग पुलिस की बड़ी कार्रवाई : साइबर ठगी के 13 म्यूल खाताधारक गिरफ्तार

10 लाख से अधिक का संदिग्ध ट्रांजेक्शन मिला, कमीशन के लालच में देते थे बैंक खाते

नई दृष्टिबिंदु /दुर्ग।

साइबर ठगी की रकम को खपाने वाले म्यूल बैंक खाताधारकों के खिलाफ दुर्ग पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। थाना सुपेला और भिलाई नगर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के खातों में 10 लाख रुपये से अधिक का संदिग्ध लेन-देन पाया गया है।

कमीशन के लालच में देते थे खाते

पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एसीसीयू की मदद से यह कार्रवाई की गई। जांच में पता चला कि आरोपी कमीशन और प्रतिफल के लालच में अपने और अन्य लोगों के बैंक खाते, पासबुक, एटीएम कार्ड, चेकबुक और सिम कार्ड साइबर अपराधियों को उपलब्ध करा रहे थे। 15,000 तक कमीशन लेकर एजेंटों के जरिए ये दस्तावेज ठगों तक पहुंचाए जाते थे। इन खातों का इस्तेमाल साइबर ठगी की रकम को अलग-अलग खातों में ट्रांसफर कर स्रोत छिपाने के लिए किया जाता था।

दो थानों में दर्ज हुआ मामला

तकनीकी साक्ष्य और बैंक खातों के विश्लेषण के आधार पर दिनांक 09.08.2026 को कार्रवाई की गई। .थाना सुपेला. में अपराध क्रमांक 679/2026 धारा 318(2), 318(3), 318(4) बीएनएस के तहत 10 आरोपियों पर कार्रवाई। यहां बंधन बैंक के 10 खातों का उपयोग मिला।

- .थाना भिलाई नगर. में अपराध क्रमांक 388/2026 धारा 318(2), 318(3), 318(4) बीएनएस के तहत 3 आरोपियों पर कार्रवाई। यहां पंजाब नेशनल बैंक के 3 खातों का उपयोग मिला।

.गिरफ्तार आरोपी.

.थाना सुपेलाः. अनिरुद्ध बेसरा, डिकेश साहू उर्फ गोल्डी, संदीप खन्ना, दिलबाग सिंह, शिव कुमार, सुमीत कुमार, रेहान कुरैशी, ललीत कुमार, भोज कुमार देवांगन, धनेश्वर यादव

.थाना भिलाई नगरः. अमित कुमार, गोपी सोनी, प्रीति उपाध्याय पुलिस ने आरोपियों से पासबुक, एटीएम कार्ड, चेकबुक, सिम कार्ड और मोबाइल फोन जप्त किए हैं।

पुलिस की अपील

दुर्ग पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि किसी को अपना बैंक खाता, एटीएम कार्ड, पासबुक, चेकबुक या सिम कार्ड उपयोग के लिए न दें। इसका गलत इस्तेमाल होने पर मूल खाताधारक भी कानूनी कार्रवाई में फंस सकता है। यदि किसी के दस्तावेजों का गलत उपयोग होने की जानकारी मिले तो तुरंत बैंक, नजदीकी थाना या साइबर पुलिस को सूचित करें और शिकायत की रसीद सुरक्षित रखें।

अमरकंटक से शुरू हुई 151 किमी की कांवड़ यात्रा, भोरमदेव धाम में होगा जलाभिषेक

पंडरिया विधायक भावना बोहरा के नेतृत्व में 600 कांवड़ियों ने धारण किया नमर्दा जल

नई दृष्टिबिंदु /अमरकंटक।

सावन माह में श्रद्धा और आस्था का प्रतीक कांवड़ यात्रा आज माँ नमर्दा की पवित्र धरा अमरकंटक से शुरू हुई। पंडरिया विधायक भावना बोहरा के नेतृत्व में लगभग 600 कांवड़ यात्रियों ने छत्तीसगढ़ की सुख-समृद्धि और खुशहाली की मंगलकामना के साथ 151 किलोमीटर लंबी पदयात्रा की शुरुआत की। यात्रा का समापन कवर्धा जिले के प्रसिद्ध भोरमदेव धाम में भगवान महादेव के जलाभिषेक के साथ होगा।

यात्रा से पूर्व माँ नमर्दा और नमर्देश्वर महादेव की विधिवत पूजा-अचर्ना की गई। पूजा के बाद सभी कांवड़ियों ने माँ नमर्दा का पवित्र जल कांवड़ में धारण किया और भोरमदेव धाम में जलाभिषेक का संकल्प लिया। इस पावन अवसर पर हजारों की संख्या में कांवड़ यात्री, श्रद्धालु और शिवभक्त उपस्थित रहे। "हर-हर महादेव" और "बोल बम" के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। विधायक भावना बोहरा ने कहा कि यह यात्रा केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं है, बल्कि प्रदेश की शांति, समृद्धि और जनकल्याण के लिए भी है। अमरकंटक से शुरू हुई यह कांवड़ यात्रा लगभग 151 किलोमीटर की दूरी तय कर भोरमदेव धाम पहुंचेगी। यात्रा के दौरान कांवड़ियों के लिए जगह-जगह ठहरने, भोजन और चिकित्सा की व्यवस्था की गई है। यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखा गया। मार्ग में जगह-जगह स्थानीय लोगों ने पुष्प वर्षा कर कांवड़ियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, जनप्रतिनिधि और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

खास खबर

विश्व आदिवासी दिवस : भिलाई में निकली भव्य रैली, पारंपरिक वेशभूषा में नजर आया आदिवासी समाज का उत्साह

नई दृष्टिबिंदु /भिलाई।

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर भिलाई में आदिवासी समाज ने भव्य आयोजन कर अपनी समृद्ध संस्कृति और परंपराओं का प्रदर्शन किया। समाज की ओर से निकाली गई रैली में महिला, पुरुष, युवा और बच्चों की बड़ी संख्या उमड़ी। पारंपरिक वेशभूषा, लोक नृत्य और सांस्कृतिक झांकियों ने पूरे माहौल को आदिवासी रंग में रंग दिया। भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव भी इस आयोजन में शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत विधि-विधान से माता रानी की पूजा-अचर्ना के साथ हुई। विधायक देवेंद्र यादव ने समाजजनों के साथ पूजा कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाल जीवन की कामना की। इसके बाद वे रैली में शामिल हुए और समाज के लोगों के साथ कदम से कदम मिलाकर चले। रैली में पारंपरिक वेशभूषा में सजे समाज के लोगों ने आदिवासी गीतों और ढोल-मांदल की धुन पर उत्साह के साथ भाग लिया। विधायक देवेंद्र यादव ने कहा कि आदिवासी समाज छत्तीसगढ़ की संस्कृति और पहचान की मजबूत नींव है। उनकी समृद्ध परंपराएं, कला और जीवनशैली प्रदेश की पहचान को और मजबूत बनाती हैं। विश्व आदिवासी दिवस अपनी गौरवशाली विरासत को याद करने और उसे आगे बढ़ाने का अवसर है। उन्होंने कहा, "आदिवासी समाज के विकास और उनके अधिकारों के संरक्षण के लिए लगातार काम करने की जरूरत है। संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित रखते हुए नई पीढ़ी को शिक्षा, रोजगार और विकास के बेहतर अवसर मिलें, यह हम सभी की जिम्मेदारी है।"

> आदिवासी समाज छत्तीसगढ़ की पहचान"

सामाजिक एकता का उदाहरण

विधायक ने विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भिलाई की पहचान हमेशा से सामाजिक एकता और भाईचारे की रही है। यहां हर समाज के लोग मिल-जुलकर अपनी संस्कृति मनाते हैं। आदिवासी दिवस का यह आयोजन सामाजिक एकता और सांस्कृतिक गौरव का सुंदर उदाहरण है। कार्यक्रम के दौरान विधायक ने समाज के लोगों के साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं और आयोजन के लिए बधाई दी।

आयुक्त वीबी जीरामजी ने किया ग्रामीण क्षेत्रों में निर्माण कार्यों का औचक निरीक्षण

पीएम आवास के हितग्राहियों को सौंपी खुशियों की चाबी, जल सुरक्षा और गुणवत्ता पर दिया जोर

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

आयुक्त वीबी जीरामजी और संचालक प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण तारण प्रकाश सिन्हा ने शुक्रवार को बलौदाबाजार जिले का दौरा कर विभिन्न ग्राम पंचायतों में निर्माण कार्यों का औचक निरीक्षण किया।

हितग्राहियों से सीधा संवाद, आवास की चाबी सौंपी

आयुक्त ने जनपद पंचायत बलौदाबाजार अंतर्गत ग्राम पंचायत बेमेतरा तथा जनपद पंचायत पलारी अंतर्गत ग्राम पंचायत सितदेवरी में विकास कार्यों का स्थल निरीक्षण किया। इस दौरान हितग्राहियों और ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं और सुझाव सुने। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत निर्मित आवासों का अवलोकन कर आवास पूर्ण कर चुके हितग्राहियों को प्रतीकात्मक रूप से खुशियों की चाबी प्रदान की। हितग्राहियों से आवास निर्माण, प्राप्त सहायता, निर्माण की गुणवत्ता और योजना से जीवन में आए बदलाव की जानकारी ली। आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पात्र परिवारों को योजना का लाभ समयबद्ध, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण ढंग से उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए।

जल सुरक्षा कार्यों की तकनीकी समीक्षा

आयुक्त ने जल सुरक्षा श्रेणी के तहत निर्मित और प्रगतिरत कार्यों का भी विस्तृत निरीक्षण किया। नवीन तालाब, अमृत सरोवर, सैंड फिल्टर आधारित बोरवेल रिचार्ज संरचना और चेक डैम निर्माण कार्यों की तकनीकी और उपयोगिता संबंधी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण और भू-जल पुनर्भरण से जुड़े कार्य केवल निर्माण तक सीमित न रहें। इनका चयन स्थानीय आवश्यकता, कैचमेंट, जलधारण क्षमता और दीघर्कालिक उपयोगिता के आधार पर किया जाए।

टिकाऊ परिसंपत्तियों और रोजगार पर फोकस

आयुक्त ने कहा कि वीबी जीरामजी का उद्देश्य रोजगार उपलब्ध कराने के साथ ग्राम पंचायतों में टिकाऊ परिसंपत्तियों का निर्माण, जल सुरक्षा को सुदृढ़ करना, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण और ग्रामीण आजीविका को मजबूत बनाना है। योजना के तहत स्वीकृत प्रत्येक कार्य का प्रत्यक्ष लाभ ग्रामीण समुदाय को दिखाई देना चाहिए।

स्थल निरीक्षण के दौरान उन्होंने ग्रामीणों के साथ जमीन पर बैठकर चर्चा की और योजनाओं के क्रियान्वयन, स्थानीय आवश्यकताओं, रोजगार और विकास कार्यों पर उनके अनुभव और सुझाव सुने। मैदानी अमले को निर्देशित किया कि ग्रामीणों की वास्तविक आवश्यकताओं को समझते हुए ग्राम सभा से अनुमोदित काययोजना के अनुरूप प्राथमिकता आधारित कार्य किए जाएं।

गुणवत्ता और समयबद्धता पर विशेष जोर.

इसके बाद जिला पंचायत सभाकक्ष बलौदाबाजार में विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इसमें वीबी जीरामजी और प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण सहित ग्रामीण विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा हुई।

आयुक्त ने स्वीकृत कार्यों की गुणवत्ता, समयबद्ध पूणर्ता, श्रमिक नियोजन, तकनीकी मापदंडों के पालन और पारदशिर्ता पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि फील्ड निरीक्षण को नियमित कार्यप्रणाली का हिस्सा बनाया जाए और किसी भी स्तर पर निर्माण की गुणवत्ता से समझौता न किया जाए। जल संरक्षण संरचनाओं के माध्यम से अधिकतम वर्षा जल संचयन, भू-जल स्तर में सुधार और ग्रामीण क्षेत्रों में स्थायी जल उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण और समीक्षा के दौरान सीईओ जिला पंचायत दिव्या अग्रवाल सहित संबंधित जनपद पंचायतों के अधिकारी-कमर्चारी, तकनीकी अमला और पंचायत प्रतिनिधि उपस्थित थे।

आमापाली में वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने लगाई जन चौपाल सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

> महिलाओं ने महतारी वंदन की राशि से जगन्नाथ मंदिर निर्माण में किया सहयोग

> महिलाओं ने स्वेच्छा से धनराशि एकत्रित कर भगवान जगन्नाथ मंदिर के निर्माण कार्य के लिए समर्पित की

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने रायगढ़ जिले के पुसौर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत आमापाली में जन चौपाल लगाकर ग्रामीणों से सीधे संवाद किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र के विकास कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और स्थानीय आवश्यकताओं की जानकारी ली।

महिलाओं ने पेश की सामाजिक सहभागिता की मिसाल.

जन चौपाल के दौरान आमापाली की महिलाओं की एक प्रेरणादायी पहल सामने आई। महतारी वंदन योजना से मिली राशि में से महिलाओं ने स्वेच्छा से धनराशि एकत्रित कर भगवान जगन्नाथ मंदिर के प्रारंभिक निर्माण कार्य के लिए समर्पित की।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने महिलाओं की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि आमापाली की बहनों ने स्वेच्छा और संकल्प के साथ मंदिर निर्माण में सहयोग दिया है। यह महिलाओं के आर्थिक योगदान के साथ-साथ सामाजिक सहभागिता और नेतृत्व की जीती-जागती मिसाल है।

उन्होंने कहा कि महिलाएं परिवार की जिम्मेदारियों के साथ समाज और सामुदायिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। महिलाओं का यह स्वैच्छिक योगदान समाज में आपसी सहयोग और सामूहिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करता है।

जन समस्याओं के समाधान पर जोर

वित्त मंत्री ने जन चौपाल के माध्यम से ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और उनके त्वरित समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता जनकल्याण और सुशासन है। ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनकी बात सुनना और स्थानीय स्तर पर समस्याओं का निराकरण करना इसी प्रतिबद्धता का हिस्सा है। श्री चौधरी ने मंदिर निर्माण में सहयोग करने वाली आमापाली की सभी माताओं-बहनों और सहभागी नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

चंदेरी की चरागाह जमीन उद्योग को सौंपने की तैयारी, अकबर ने सरकार पर उठाए सवाल

नई दृष्टिबिंदु / 00000

पूर्व मंत्री मोहम्मद अकबर ने बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के सिमगा तहसील के ग्राम चंदेरी में चरागाह भूमि को उद्योग के लिए देने के मामले में राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि नकटी कांड के बाद अब चंदेरी की चरागाह जमीन भी उद्योगपतियों को सौंपने की तैयारी की जा रही है।

अकबर ने कहा कि 23 फरवरी 2024 को दामाखेड़ा में कबीरपंथ के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने दामाखेड़ा के 10 किलोमीटर के दायरे में उद्योग नहीं लगाने का आश्वासन दिया था। इसके बावजूद चंदेरी में लगभग 23.93 हेक्टेयर यानी 59 एकड़ चरागाह भूमि को नवीन औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना के लिए उद्योग विभाग को आधिपत्य सौंप दिया गया है।

> कहा - मुख्यमंत्री के आश्वासन और सुप्रीम कोर्ट के आदेश का नहीं हो रहा पालन

उन्होंने कहा कि यह मामला राजस्व मंत्री के गृह जिले से जुड़ा है, लेकिन सरकार गांव की निस्तार और चरागाह भूमि बचाने में असहाय दिख रही है।

सुप्रीम कोर्ट और राजस्व विभाग के निर्देशों का हवाला.

पूर्व मंत्री ने छत्तीसगढ़ शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के 10 मार्च 2011 के निर्देश का हवाला दिया। इसमें कहा गया है कि सार्वजनिक उपयोग के लिए सुरक्षित भूमि को भविष्य में अन्य प्रयोजन के लिए आवंटित नहीं किया जाना है।

इसके बावजूद चंदेरी के खसरा नंबर 1660, 2206, 2207 और 1743 की कुल 23.93 हेक्टेयर जमीन 6 फरवरी 2026 को उद्योग विभाग को सौंप दी गई। नायब तहसीलदार सिमगा ने 19 जनवरी 2025 की आर्डर शीट में ग्राम पंचायत चंदेरी की आपत्ति का उल्लेख भी किया था, लेकिन जमीन का आधिपत्य तहसीलदार के माध्यम से उद्योग केंद्र बलौदाबाजार को दे दिया गया।

> मुख्यमंत्री ने दामाखेड़ा के 10 किलोमीटर के दायरे में उद्योग नहीं लगाने का आश्वासन दिया था

.ग्राम सभा के प्रस्ताव के बाद भी पोर्टल पर दर्ज हुई जमीन.

अकबर ने बताया कि ग्राम पंचायत चंदेरी की बैठक में 20 दिसंबर 2025 को सर्वसम्मति से इस भूमि को उद्योग को हस्तांतरित नहीं करने का प्रस्ताव पारित हुआ था। 30 जुलाई 2026 को ग्राम सभा ने भी चरागाह जमीन को औद्योगिक उपयोग में देने का विरोध किया।

आरोप लगाया कि इसके बावजूद भुइयां पोर्टल में इन खसरों की जमीन संचालक उद्योग के नाम दर्ज कर दी गई है। यह भूमि आसपास की 8 से 10 ग्राम पंचायतों के गोवंश और अन्य मवेशियों के लिए प्रमुख प्राकृतिक चरागाह है और ग्राम के निस्तार पत्रक में भी इसे चरागाह के रूप में दर्ज किया गया है।

.मुख्यमंत्री और राजस्व मंत्री से मांगा जवाब.

मोहम्मद अकबर ने मुख्यमंत्री से तत्काल संज्ञान लेकर कारर्वाई की मांग की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को अपने कार्यक्रम में दिए गए आश्वासन और सुप्रीम कोर्ट के आदेश के संदर्भ में इस मामले को देखना चाहिए। राजस्व मंत्री से सवाल किया कि अपने गृह जिले के इस मामले में वे मौन क्यों हैं और सरकार चरागाह की जमीन बचाने को लेकर क्या स्थिति रखती है, इसे स्पष्ट किया जाए।

छत्तीसगढ़ पवेलियन बना आकर्षण का केंद्र, 26 व्यवसायियों ने की सहभागिता

> इस तरह की सहभागिता से छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान मिलेगी।

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ को देश के प्रमुख पर्यटन गंतव्यों में स्थापित करने की दिशा में राज्य सरकार लगातार काम कर रही है। इसी क्रम में गुजरात के गांधीनगर में 6 से 8 अगस्त तक आयोजित ट्रैवल एंड टूरिज्म फेयर में छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड की प्रभावी सहभागिता रही।

पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में बोर्ड ने राज्य की प्राकृतिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, धार्मिक और रोमांचक पर्यटन संभावनाओं को राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत किया।

फेयर फेस्ट मीडिया द्वारा आयोजित इस मेले में छत्तीसगढ़ की समृद्ध पर्यटन विरासत को आकर्षक ढंग से प्रदर्शित किया गया। इसके लिए 100 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में आकर्षक छत्तीसगढ़ पवेलियन तैयार किया गया। पवेलियन में राज्य के जलप्रपात, वन क्षेत्र, जनजातीय संस्कृति, लोक परंपराएं और प्रमुख पर्यटन स्थलों की जानकारी दी गई। देशभर से आए यात्रा संचालकों, ट्रैवल एजेंटों और होटल व्यवसायियों ने पवेलियन का लगातार भ्रमण किया और राज्य की पर्यटन सुविधाओं तथा भ्रमण की संभावनाओं के बारे में जानकारी ली।

26 व्यवसायियों के साथ पंजीयन

इस आयोजन में छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के साथ 26 पंजीकृत ट्रैवल एजेंट और होटल व्यवसायी भी शामिल हुए। इससे राज्य के पर्यटन स्थलों को पर्यटन उद्योग के प्रमुख प्रतिनिधियों के सामने सीधे प्रस्तुत करने का अवसर मिला।

टीटीएफ में छत्तीसगढ़ की सहभागिता के सकारात्मक परिणाम भी सामने आए। बड़ी संख्या में नए ट्रैवल एजेंट और यात्रा संचालक पवेलियन पहुंचे और राज्य के पर्यटन स्थलों में रुचि दिखाई। कई व्यवसायियों ने छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के साथ पंजीयन कराने की इच्छा जताई।

राष्ट्रीय मानचित्र पर मजबूत हो रही पहचान

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राज्य की जनजातीय संस्कृति और प्राकृतिक धरोहरों को पर्यटन विकास की ताकत बनाने पर जोर दिया है। वहीं पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में सहभागिता के जरिए राज्य का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। इस मेले में भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय और गुजरात पर्यटन के साथ मध्य प्रदेश, ओडिशा, राजस्थान, केरल, महाराष्ट्र सहित देश के कई राज्यों ने भी भाग लिया। एक ही मंच पर विभिन्न राज्यों की मौजूदगी से पर्यटन व्यवसायियों को नए गंतव्यों और व्यावसायिक संभावनाओं को समझने का अवसर मिला। विभाग का मानना है कि इस तरह की सहभागिता से छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान मिलेगी।

संपादकीय

इनकम टैक्स रिटर्न के ताजा आंकड़ों ने भारत में बढ़ती गैर-बराबरी की फिर पुष्टि की है

ताजा आय कर आंकड़ों से सामने आया है कि 'अति-समृद्धइ लोगों की संख्या में भारी उछाल आया है। स्पष्टतः यह देश में कुछ ही हाथों में तेजी से धन केंद्रित होते जाने का ठोस प्रमाण है।

इनकम टैक्स रिटर्न के ताजा आंकड़ों ने भारत में बढ़ती गैर-बराबरी की फिर पुष्टि की है। बेशक, रिटर्न फाइल करने वालों की संख्या बढ़ी है और प्रत्यक्ष कर की उगाही बढ़ी है, लेकिन इन आंकड़ों ने बढ़ती विषमता और कर प्रणाली की ढांचागत कमजोरियों पर भी रोशनी डाली है। फिर सामने आया है कि फाइल होने वाले अधिकांश रिटर्न में शून्य कर देनदारी होती है। उसके बाद न्यूनतम इनकम स्लैब में आने वाले व्यक्तियों का स्थान होता है। जबकि वास्तविक करदाताओं की संख्या यथावत (लगभग ढाई करोड़) बनी हुई है।

ताजा आंकड़ों से यह जरूर सामने आया कि 100 करोड़ रुपये से अधिक की वार्षिक आय घोषित करने वाले 'अति-समृद्धइ लोगों की संख्या में भारी उछाल आया है। स्पष्टतः यह प्रमाण है कि देश में धन तेजी से कुछ ही हाथों में केंद्रित होता जा रहा है। आयकर आंकड़ों से उभरा सबसे चिंताजनक पक्ष यह है कि प्रत्यक्ष करों का सबसे बड़ा हिस्सा वेतनभोगी वर्ग से आता है। यह प्रमाण है कि आयकर से संबंधित व्यवस्थागत समस्याएं अभी भी कायम हैं। आमदनी के स्रोत पर ही टैक्स काट लिए जाने की प्रणाली के कारण वेतनभोगी कमर्चारी अपनी आय छिपा नहीं सकते। इसके विपरीत यह आम धारणा है कि कई गैर-वेतनभोगी पेशेवरकर्मी (डॉक्टर, वकील आदि) असल आय की जानकारी नहीं देते और वास्तविक देनदारी से कम टैक्स चुकाते हैं। एक और आंकड़ा गौरतलब है: वित्त वर्ष 2025-26 में व्यक्तिगत आय कर के रूप में 12.41 लाख करोड़ रुपये की वसूली हुई, जबकि कॉरपोरेट टैक्स का योगदान 10.99 लाख करोड़ रुपये ही रहा। 2021-22 में व्यक्तिगत आय कर के जरिए हुई उगाही कॉरपोरेट टैक्स से हुई वसूली को पार कर गई थी। तब से ये ट्रेंड बढ़ता ही चला गया है। नतीजतन, उपभोक्ता बाजार में अपेक्षित विस्तार ना होने के बावजूद कॉरपोरेट मुनाफा तेजी से बढ़ा है। यह 2019 में अपनाई गई नीति का परिणाम है, जब केंद्र ने कॉरपोरेट टैक्स की दरों में भारी कटौती कर दी थी। इस तरह सरकार ने अपनी आमदनी घटाई, जिसकी भरपाई वह ऐसे उपायों से करती आई है, जिसका आनुपातिक रूप से अधिक बोझ आम जनता पर पड़ता है।

हमारी हथकरघा परंपरा उन सबसे बड़ी खूबियों में से एक है जो हमेशा हमारे साथ बनी रही है

विकसित राष्ट्र का निर्माण सिर्फ तकनीक से ही निर्धारित नहीं होता। उसका खाका स्थायी खूबियों को भावी प्रगति के वाहक के रूप में बदल सकने की क्षमता से गढ़ा जाता है। अब जबकि हमारा देश 'विकसित भारत 2047इ की दिशा में आगे बढ़ रहा है, हम अत्याधुनिक तकनीकों में निवेश कर रहे हैं, मैन्यूफैक्चरिंग को सुदृढ़ बना रहे हैं और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी उद्योग को तैयार कर रहे हैं। फिर भी, हमारी हथकरघा परंपरा उन सबसे बड़ी खूबियों में से एक है जो हमेशा हमारे साथ बनी रही है। आगामी 7 अगस्त को जब भारत 12वां राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाएगा, तो यह हथकरघा को एक ऐसे रणनीतिक क्षेत्र के तौर पर देखने का उपयुक्त अवसर होगा जो टिकाऊपन, प्रामाणिकता और सुदृढ़ आपूर्ति श्रृंखला को महत्व देने वाली दुनिया के लिए बेहद अहम है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 'विकसित भारत 2047इ का सपना समृद्धि, आत्मनिर्भरता, समावेशिता और सांस्कृतिक आत्मविश्वास पर आधारित है। हथकरघा, विरासत और नवाचार को एक साथ जोड़कर इस सपने को साकार करता है। साथ ही, यह महिलाओं के नेतृत्व में विकास, ग्रामीण उद्यमिता, आजीविका और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता को भी बढ़ावा देता है। रामचरितमानस में कहा गया है, सौरज धीरज तेहि रथ चाका। सत्य सील दृढ़ ध्वजा पताका॥

बल बिबेक दम परहित घोरे। छमा कृपा समता रजु जोरे॥

विजय रथ के उपदेश में भगवान राम यह सिखलाते हैं कि स्थायी जीत शक्ति पर नहीं, बल्कि मूल्यों पर आधारित होती है। इन्हीं मूल्यों ने सदियों से भारत की हथकरघा परंपरा को टिकाए रखा है। हाथ से बुना हुआ हर कपड़ा परंपरा को बनाए रखने के साहस, हर धागे को बेहतरीन बनाने के धैर्य, ईमानदार कारीगरी की निष्ठा और पीढि ?ीं से चली आ रही समझदारी को दर्शाता है। यही कारण है कि हथकरघा महज एक शिल्प नहीं, बल्कि भारत की महानतम सभ्यतागत खूबियों में से एक है। सबसे पहले कपास की खेती एवं बुनाई करने वाली सिंधु घाटी सभ्यता से लेकर वैश्विक व्यापार में भारतीय वस्त्रों के दबदबे वाली अठारहवीं सदी तक, भारत ने वैश्विक स्तर पर वस्त्र निर्माण की उत्कृष्टता के सवोच्च मानक स्थापित किए। बंगाल के प्रसिद्ध मलमल के साथ-साथ बनारसी सिल्क, कांचीपुरम की बुनाई, पोचमपल्ली इकत और अनगिनत क्षेत्रीय परंपराओं ने भारत को दुनिया भर में पहचान और प्रशंसा दिलाई। बंगाल का मलमल तो इतना महीन होता था कि 25 मीटर लंबा कपड़ा भी एक अंगूठी से होकर गुजर जाए। आज जब दुनिया प्रामाणिक, टिकाऊ और हाथ से बने उत्पादों की ओर मुड़ रही है, तो हमारे पास उस अग्रता को फिर से हासिल करने का एक ऐतिहासिक मौका है। हमारी अगली हथकरघा क्रांति के दौरान सिर्फ वस्त्र ही नहीं, बल्कि कारीगरी, विरासत, नवाचार और भरोसे का भी निर्यात होना चाहिए ताकि हाथ से बुना हर उत्पाद 'ब्रांड इंडियाइ की पहचान बन सके।

हथकरघा भारत का सबसे बड़ा कुटीर उद्योग है। यह 35 लाख से अधिक बुनकरों व उनसे जुड़े कामगारों की आजीविका का सहारा है। इन कामगारों में से लगभग 72 प्रतिशत महिलाएं हैं। पिछले दशक में, सरकार ने 'कच्चा माल आपूर्ति योजनाइ, 797 हथकरघा क्लस्टरों, 1.24 लाख से अधिक उन्नत करघों, लगभग 97,000 कारीगरों के कौशल विकास और उत्पादक कंपनियों, जीआई टैग वाले उत्पादों, हैंडलूम मार्क, इंडिया हैंडमेड सर्टिफिकेशन, अर्बन हाट और डिजाइन रिसोर्स सेंटर जैसी पहलों के जरिए इस सेक्टर को सुदृढ़ किया है। आज 29 'बुनकर सेवा केन्द्रइ प्रशिक्षण, कौशल के उन्नयन, डिजाइन के विकास, कच्चे माल संबंधी सहायता और बाजार से जोड ? जैसी सुविधाएं प्रदान कर रहे हैं। वहीं, 11 इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ हैंडलूम टेक्नोलॉजी को सुदृढ़ किया जा रहा है ताकि उन्नत प्रशिक्षण के प्रसार को बढ़ाया जा सके और विशेष प्रकार के अधिक मूल्य वाले हथकरघा उत्पाद बनाए जा सकें। ये पहलें हथकरघा को सिर्फ एक कल्याणकारी गतिविधि के तौर पर समर्थन देने से हटकर, इसे वैश्विक स्तर पर एक प्रतिस्पर्धी एवं रचनात्मक उद्योग के रूप में विकसित करने की दिशा में होने वाले एक बदलाव को दर्शाती हैं। आगामी 'राष्ट्रीय हथकरघा और हस्तशिल्प कार्यक्रमइ 500 जिलों में 1,800 क्लस्टरों को सुदृढ़ करेगा, 65 लाख बुनकरों व कारीगरों को लाभान्वित करेगा और 'हैंडमेड इन इंडियाइ को एक वैश्विक ब्रांड के तौर पर स्थापित करेगा। नवाचार हमेशा से भारत की हथकरघा से जुड़ी यात्रा का हिस्सा रहा है। महात्मा गांधी के अंबर चरखे ने सूत कातने के काम को आसान, तेज और अपेक्षाकृत अधिक कुशल बनाया। इससे आत्मनिर्भरता का विजन आगे बढ़ा। हाल ही में, असम के मैना करघे और शिवसागर में विकसित चित्तरंजन हथकरघे ने यह दर्शाया है कि करघे के बेहतर डिजाइन से बुनाई का काम कैसे आसान और अधिक उत्पादक हो सकता है। इसी विरासत को आगे बढ़ाते हुए, भारतीय प्रौद्योगिक संस्थान (आईआईटी) के साथ मिलकर बनाया गया 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर हैंडलूम टेक्नोलॉजीइ ऐसे करघे विकसित कर रहा है जो हल्के, मजबूत और उपयोग में आसान हैं। ये करघे शारीरिक मेहनत को कम करते हैं और उत्पादकता बढ़ाते हैं। इसमें दिव्यांग लोगों के लिए भी सुविधाएं शामिल हैं। इस सेंटर के तहत, 'हैंडलूम 4.0इ पहल उत्पादकता, गुणवत्ता और रखरखाव की निगरानी हेतु डिजिटल टूल और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करती है। इस पहल को अलग-अलग राज्यों में बड़े पैमाने पर कार्यान्वित करने से पहले 100 करघों पर प्रायोगिक परियोजना के तौर पर आजमाया जा रहा है। तकनीक को कारीगरों की जगह लेने के बजाय उनके सशक्तिकरण का जरिया बनना चाहिए। 'विजनएक्सटइ जैसे प्लेटफॉर्म मांग का अनुमान लगाने, डिजाइन के रुझानों की पहचान करने, हथकरघे के असली उत्पादों की प्रमाणिकता सुनिश्चित करने और बुनकरों को सीधे दुनिया के बाजारों से जोड ? में मदद कर सकते हैं। साथ ही, प्रीमियम सिल्क, नेचुरल फाइबर, सस्टेनेबल फाइबर और इनोवेटिव ब्लेंड्स जैसे उत्पादों में विविधता लाकर अधिक मूल्य वाले उत्पाद बनाए जा सकते हैं और नए बाजारों तक पहुंचाए जा सकते हैं। बेहतर ब्रांडिंग, मूल्य वर्धन (वैल्यू एडिशन) और बाजार तक सीधी पहुंच के जरिए ये नवाचार बुनकरों की आय में काफी बढ़ोतरी कर सकते हैं। हमारा विजन हर बुनकर को सम्मानजनक और बेहतर आय कमाने में सक्षम बनाना है ताकि आने वाले वर्षों में वे 50,000 रुपये प्रति माह तक की कमाई अर्जित कर सकें।

हथकरघे का भविष्य बाजार के साथ-साथ सोच पर भी निर्भर करता है। हमारे बुनकर सिर्फ कामगार नहीं हैं। वे उद्यमी, नवोन्मेषक और मूल्य सृजित वाले हैं। उन्हें ब्रांड बनाने, मूल्य श्रृंखला में आगे बढ ? और दुनिया के बाजारों तक पहुंचने में मदद करके, हम हथकरघा को भारत के सबसे गतिशील रचनात्मक उद्योगों में से एक बना सकते हैं। भारत के युवाओं से भी एक आहवान है कि वे हथकरघे के अगले अध्याय को आकार देने के लिए विरासत एवं तकनीक, रचनात्मकता और उद्यमशीलता को एक साथ जोड़ें। इस राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर, आइए हम अपने बुनकरों का सम्मान सिर्फ हमारी विरासत के संरक्षक के रूप में ही नहीं बल्कि भारत की प्रगति के शिल्पकारों के रूप में भी करें। साथ ही, हम हथकरघा को अपने रोजमर्रा के जीवन का हिस्सा बनाएं। हमारे द्वारा खरीदा और पहना गया हथकरघा का हर उत्पाद एक बुनकर की आजीविका को मजबूत करता है, सदियों पुरानी एक परंपरा को संजोता है और भारत की कहानी को दुनिया तक पहुंचाता है। हथकरघा को अपनाकर, हम न सिर्फ अपनी विरासत को ओढ़ते हैं बल्कि 'विकसित भारतइ के भविष्य को बुनने में भी मदद करते हैं।

(लेखक केन्द्रीय वस्त्र मंत्री हैं। ये उनके निजी विचार हैं।)

विश्व आदिवासी दिवस : उत्सव नहीं, स्मृति और अधिकार का संकल्प

जब हम भारतीय समाज की कल्पना करते हैं, तो एक प्रश्न बार-बार लौटता है...इस समाज की मुख्यधारा में कितनी आवाजें सचमुच शामिल हैं और कितनी अब भी अपनी पहचान के साथ किनारे खड़ी हैं?

आधुनिकता ने स्वतंत्रता, समानता और गरिमा का स्वप्न देखा। संविधान ने समान नागरिकता का अधिकार दिया, लेकिन सामाजिक संरचनाएँ केवल कानून से नहीं बदलतीं। इतिहास, स्मृतियाँ और सत्ता-संबंध अपनी जड़ें बहुत भीतर तक फैलाए रहते हैं। इसी मुख्यधारा के विमर्श में जाति, वर्ण और पितृसत्ता पर व्यापक चर्चा हुई, किंतु आदिवासी समाज के प्रश्न लंबे समय तक अपेक्षित केंद्रीयता से वंचित रहे।

उसे हाशिया कहा गया, परिधि कहा गया। लेकिन परिधि कोई रिक्त स्थान नहीं होती। उसके भीतर भी स्मृतियों, भाषाओं, लोकगीतों, मिथकों, श्रम, संघर्ष और प्रकृति से बने रिश्तों का एक पूरा संसार होता है...और सबसे बढ़कर, अपने अनुभवों से निर्मित अपनी दृष्टि होती है। हम आदिवासियों के बारे में बहुत बोलते हैं; प्रश्न यह है कि क्या हम उन्हें उतना सुनते भी हैं?

आदिवासी स्वयं अपने भविष्य को कैसे देखते हैं? आधुनिकता को वे कितना अपनाना चाहते हैं और किन जगहों पर उससे सवाल करते हैं? अपने बच्चों के लिए वे कैसी दुनिया चाहते हैं? इन प्रश्नों के बिना आदिवासी विमर्श अधूरा है। आदिवासी की पहचान को केवल जंगल, पहाड़, नदी, लोकनृत्य और पारंपरिक वेशभूषा में बाँध देना भी उसकी पहचान को छोटा करना है। आदिवासी केवल प्रकृति का प्रहरी नहीं, अपने भविष्य का निर्माता भी है। वह शहर जा सकता है, विश्वविद्यालय में पढ़ सकता है, तकनीक अपना सकता है, आधुनिक पेशा चुन सकता है..और फिर भी अपनी भाषा, स्मृतियों और संस्कृति से जुड़ा रह सकता है।

क्योंकि आधुनिक होना अपनी जड़ों से विश्वासघात करना नहीं है। लोकगीत तभी जीवित है जब नई पीढ़ी उसे गाती है। लोककथा तभी जीवित है जब वह अगली पीढ़ी तक पहुँचती है। भाषा तभी जीवित है जब वह घरों में बोली जाती है। और परंपरा तभी जीवित रहती है जब नई पीढ़ी उसमें अपने समय की धड़कन खोज पाती है।

संस्कृति कोई काँच के भीतर रखी पुरानी वस्तु नहीं...वह नदी है। उसे बहने दीजिए। उसे बदलने, नए अर्थ ग्रहण करने और नई पीढ़ी के साथ नया रूप लेने दीजिए।

शिक्षा : बच्चे का आकाश मत छीनिए

यह प्रश्न विशेष रूप से शिक्षा के संदर्भ में गंभीर है।

जिस बच्चे ने प्रकृति को अपनी पहली पाठशाला की तरह जाना हो—जिसने पेड़ों, नदी, मिट्टी, मौसम और खुले आकाश के बीच जीवन को समझा हो...उसे यदि उसकी दुनिया से काटकर केवल बंद कमरों, किताबों और परीक्षाओं के संसार में रख दिया जाए, तो क्या हम उसकी शिक्षा को पूरा मान सकते हैं? यह कहना गलत होगा कि आदिवासी बच्चे बंद कमरों में पढ़ नहीं सकते। वे पढ़ सकते हैं, आगे बढ़ सकते हैं और हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना सकते हैं। लेकिन शिक्षा ऐसी क्यों न हो जो उनके अनुभव-जगत को भी ज्ञान का हिस्सा माने?

कक्षा हो, पर प्रकृति भी शिक्षक हो।
किताब हो, पर स्थानीय ज्ञान भी पाठ हो।
नई भाषा हो, पर मातृभाषा की साँस भी बनी रहे।
विज्ञान हो, पर अपने परिवेश को समझने की दृष्टि भी हो।

शिक्षा का अर्थ बच्चे को उसकी दुनिया से निकालना नहीं, उसकी दुनिया से जोड़ते हुए पूरी दुनिया तक पहुँचाना है। बंद कमरा अपने आप में समस्या नहीं; समस्या तब है जब शिक्षा बच्चे के भीतर यह भावना पैदा कर दे कि उसकी अपनी भाषा, संस्कृति और जीवन-पद्धति पिछड़ी हुई है।

विकास : उनके लिए नहीं, उनके साथ

आदिवासी को अतीत में कैद करना भी अन्याय है और विकास के नाम पर उसकी जड़ों को काट देना भी।

उसे जंगल बचाने का अधिकार है और आधुनिक शिक्षा पाने का भी। अपनी भाषा बचाने का अधिकार है और दुनिया की दूसरी भाषाएँ सीखने का भी। अपनी परंपरा पर गर्व करने का अधिकार है और अपनी पसंद का आधुनिक जीवन चुनने का भी।

इसलिए विकास ऐसा नहीं होना चाहिए जिसमें आदिवासी केवल विकास का विषय बने; वह विकास का सहभागी और निर्णयकर्ता भी हो।

पहचान का सबसे गहरा अर्थ है...स्वायत्तता।

जिस पहचान को कोई दूसरा हमारे लिए तय करता है, वह पहचान कम और छवि अधिक होती है।

आदिवासी दिवस : जोहार से आत्ममंथन तक

आदिवासी दिवस केवल वेशभूषा, लोकनृत्य, ढोल और सोशल मीडिया की शुभकामनाओं का दिन नहीं। यदि उत्सव के बाद जमीन, जंगल, भाषा, शिक्षा और रोजगार के प्रश्न फिर अँधेरे में चले जाएँ, तो उत्सव केवल रस्म है। देश की पहली आदिवासी राष्ट्रपति होने के बावजूद असली प्रश्न यह नहीं कि राष्ट्रपति भवन तक एक आदिवासी पहुँची या नहीं। असली प्रश्न यह है...

क्या देश के आखिरी आदिवासी गाँव की आवाज भी सत्ता के गलियारों तक पहुँचती है?

विडंबना देखिए—मंच पर ह्यजोहारह्न गूँजता है, भाषणों में आदिवासी अस्मिता चमकती है; लेकिन जब जमीन, जंगल, शिक्षा और भविष्य की बात आती है, तो वही आवाज कई बार धीमी पड़ जाती है।

चेहरा सत्ता के शिखर तक पहुँच जाना पर्याप्त नहीं; आवाज का लोकतंत्र की जड़ों तक पहुँचना जरूरी है।

इसलिए अगली बार ह्यजोहारह्न कहने से पहले पूछिए...
ह्नजिसके नाम पर बोल रहे हैं,
क्या उसे भी बोलने दिया?

आदिवासी भारत का हाशिया नहीं.. वह मिट्टी की स्मृति, जंगल की भाषा और संस्कृति की आदिम लय है।

उनकी जड़ें मिट्टी में हैं, पर उसकी उड़ान का आकाश किसी ने तय नहीं किया है...

वह अपनी स्मृतियों के साथ आधुनिक हो सकता है, अपनी भाषा के साथ दुनिया से संवाद कर सकता है और अपनी परंपरा के साथ भविष्य रच सकता है...

यही आदिवासी अस्मिता का नया अर्थ है..
हम किसी के दिए हुए आकाश के मोहताज नहीं—
अपना आकाश स्वयं चुनेंगे,
अपनी दिशा स्वयं तय करेंगे,
और अपनी आने वाली पीढ़ियों के लिए
सम्मान, स्वाभिमान और समान अवसरों की दुनिया बनाएँगे।
यही आदिवासी अस्मिता का संकल्प है...
जड़ों में मिट्टी, आँखों में आकाश और
निर्णय में अपना अधिकार।

शैलजा सिंह
लेखिका एवं सामाजिक चिंतक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनका भरोसा जीतने के लिए कई तरह के उपाय कर रहे हैं

लाख टके का सवाल है कि जिस पीढ़ी ने पेपर लीक के खिलाफ और केंद्रीय शिक्षा मंत्री का इस्तीफा लेने के लिए जंतर मंतर पर आंदोलन किया या कहीं दूर बैठ कर आंदोलन में हिस्सा लिया, वह कभी क्या भाजपा के ऊपर भरोसा करेगी? यह सवाल इसलिए है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनका भरोसा जीतने के लिए कई तरह के उपाय कर रहे हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर तीन रील्स पोस्ट की, जिसमें नई पीढ़ी के युवाओं और छात्रों को फ्रेंड्स कह कर संबोधित किया और उनके साथ कनेक्ट करने की कोशिश की। उनकी पार्टी के सांसदों ने पेपर लीक के खिलाफ लाए गए बिल पर संसद के अंदर चर्चा में 'जेन जीइ के 'लिंगोइ यानी उनकी भाषा व शब्दावली का खूब इस्तेमाल किया। ऐसा दिखाया गया, जैसे भाजपा उनकी असली प्रतिनिधि पार्टी है और उनका ख्याल रख रही है। लेकिन उसके बाद भी सोशल मीडिया में प्रधानमंत्री की रील्स का जैसा मजाक बना और सरकार की हर पहल को जिस तरह से खारिज किया गया वह संकेत है कि इस पीढ़ी का भरोसा भाजपा के ऊपर नहीं बनेगा।

इस पीढ़ी की बात करें तो इसकी संख्या बहुत बड़ी है और जब इस पीढ़ी के सारे लोग वोट करने की स्थिति में आएंगे तब भाजपा के सामने असल संकट होगा। एक अनुमान के मुताबिक 'जेन जीइ यानी 1997 से 2012 के बीच जन्मी पीढ़ी की आबादी 35 से 38 करोड़ के बीच है। यानी कुल आबादी में इनका हिस्सा लगभग 27 फीसदी के करीब बनता है। इनकी उम्र 14 से 29 साल के बीच है। इनमें से एक चौथाई किशोर उम्र के लोगों को निकाल दें, जो अगले चुनाव तक वोट देने के योग्य नहीं हुए होंगे तब भी यह आबादी 25 करोड़ से ऊपर होगी। यानी 'जेन जीइ के 25 करोड़ वोटर होंगे। ये सीधे तौर पर इस आंदोलन के हिस्सेदार थे।

ध्यान रहे उनका आंदोलन किसी राजनीतिक लाभ के नहीं था, बल्कि अपने अस्तित्व के लिए था। पेपर लीक से उनकी पढ़ाई और परीक्षा दोनों प्रभावित हो रहे थे। इसलिए वे सरकार की विफलता के खिलाफ आंदोलन पर उतरे। उसके बाद पुलिस ने उनके ऊपर लाठी चलाई, आंसू गैस के गोले छोड़े, पैलेट गन से हमला किया और शॉक बैटन से मारा। उनको रोकने के लिए मेट्रो स्टेशन बंद किए गए। इंटरनेट बंद किया गया। ऐप आधारित सेवाओं को रोकने का प्रयास किया गया। अब उनकी पहचान बता कर सोशल मीडिया में ट्रोल भी किया जा रहा है। उनको धमकियां मिल रही हैं और डराया जा रहा है। अब भी छात्रों और युवाओं को विक्टिम की बजाय अपराधी बताने की कोशिश हो रही है। उनकी स्मृति में ये बातें हमेशा दर्ज रहेंगी। यह सिर्फ 'जेन जीइ की स्मृतियों का मामला नहीं है। उनसे पहले और उनसे बाद वाली पीढ़ी की स्मृति का भी मामला है। 'जेन जीइ की बात सभी कर रहे हैं हकीकत यह है कि इनके आंदोलन के बाद 'जेन अल्फाइ यानी 2012 के बाद जन्मी पीढ़ी के उन बच्चों में भी नई जागरूकता आई है। खास कर ऐसे बच्चे, जिनकी उम्र 10 से 14 साल की है। मध्य प्रदेश के शहडोल में एक आवासीय कन्या विद्यालय की छात्राओं ने बिजली और पानी की समस्या को लेकर कलेक्टर कार्यालय की ओर मार्च किया। हालांकि रास्ते में उनको रोक दिया गया। लेकिन 30 जुलाई की यह घटना दिखाती है कि जंतर मंतर के आंदोलन का असर कितना व्यापक है। ऐसे ही उत्तर प्रदेश के फतेहपुर में सवीदय इंटर कॉलेज के छात्र व छात्राओं ने बुनियादी सुविधाओं की कमी और मनमाना शुल्क वसूलने को लेकर 28 जुलाई को प्रदर्शन किया। बाद में जिला प्रशासन के अधिकारियों ने पहुंच कर स्कूल का मुआयना किया। शहडोल और फतेहपुर में प्रदर्शन करने वाले छात्र, छात्राओं में 14 साल या उससे कम उम्र के भी बच्चे शामिल थे। जाहिर है कि 'जेन जीइ का आंदोलन उनको भी प्रभावित कर रहा है। ऐसे बच्चों यानी 'जेन अल्फाइ की आबादी भी 35 से 40 करोड़ के बीच है। इनमें से 10 से 14 साल के जो बच्चे हैं यानी एक तिहाई बच्चे 2029 के लोकसभा चुनाव में वोट डालने की उम्र तक नहीं पहुंचेंगे। परंतु उसके बाद के चुनाव में ये मतदाता होंगे। ध्यान रहे यह डिजिटल युग में पैदा हुई पहली पीढ़ी है, जिनके जीवन पर स्माटफीन, इंटरनेट, सोशल मीडिया का सबसे ज्यादा प्रभाव है। ये अगले चुनाव में वोट नहीं डालेंगे लेकिन पारिवारिक निणर्यों, उपभोक्ता बाजार और देश के भविष्य के ढांचे में बड़ी भूमिका निभाएंगे। वोट डालने की उम्र तक पहुंचने से पहले ही इनकी ये भूमिकाएं बन जाएंगी। अब इन दोनों पीढि ?ीं के अभिभावकों या इनकी पहले वाली पीढ़ी यानी मिलेनियल्स की बात करें तो उनकी आबादी भी 40 करोड़ के आसपास है।

यह वो पीढ़ी है, जिसका जन्म 1980 से 1996 के बीच हुआ है। यानी 30 से 46 साल के बीच की उम्र की पीढ़ी। इनके बच्चे 'जेन जीइ हैं या 'जेन अल्फाइ। क्या इनको अपने बच्चों की तकलीफों का अंदाजा नहीं होगा? क्या उनकी राजनीतिक विचारधारा या मतदान व्यवहार अपने बच्चों की प्राथमिकताओं या आवश्यकताओं से प्रभावित नहीं होगा? अगर होगा तो फिर सोचें, इसका कितना बड़ा असर देश की राजनीति पर होगा। इन तीन पीढि ?ीं को मिल कर कुल 120 करोड़ आबादी बनती है। इनमें से अगले चुनाव के समय लगभग 70 करोड़ मतदाता होंगे। अभी के घटनाक्रम पर जैसी प्रतिक्रिया सरकार की है और उस प्रतिक्रिया के ऊपर छात्रों व युवाओं का जैसा रिस्पांस है उसे देखते हुए साफ प्रतीत होता है कि सरकार और एक बड़ी आबादी के बीच संवाद के तार टूट गए हैं।

जैसे पिछली पीढि ?ीं की याद में बहुत सारी देशी, विदेशी घटनाएं हैं, जिन्होंने उनके विचार गढ़े और उनकी राजनीति को प्रभावित किया। मतलब मंदिर आंदोलन से लेकर मंडल आंदोलन और उदारीकरण से लेकर वैश्विकरण और 9/11 की घटना के बाद पूरी दुनिया में आतंकवाद के खिलाफ जंग जैसी बहुत सी घटनाओं ने उनके विचार बनाए। अब इस पीढ़ी के विचार संचार क्रांति और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के असर में बन रहे हैं। उनकी डिजिटल स्मृति में जंतर मंतर की क्रांति स्थायी रहेगी। सरकार का बरताव भी स्थायी रूप से दर्ज रहेगा। इसलिए सरकार और भाजपा की ओर से चाहे जो भी प्रचार किया जाए लेकिन आगे के चुनावों में इस पीढ़ी को भाजपा, संघ परिवार के साथ जोडा मुश्किल होगा।

तिरंगा यात्रा को लेकर भाजपा की बैठक हुई, कार्यकर्ताओं को दिए निर्देश

तिरंगा यात्रा को लेकर भाजपा की बैठक सम्पन्न, कार्यकर्ताओं को दिए निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई।

भारतीय जनता पार्टी जिला भिलाई द्वारा आगामी तिरंगा यात्रा एवं हर घर तिरंगा अभियान की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा, आयोजन की तैयारियों, जनसंपर्क और कार्यकर्ताओं की सहभागिता पर विस्तार से चर्चा हुई।

"तिरंगा यात्रा से देशभक्ति की भावना जन-जन तक पहुंचाएं".

बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन ने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। तिरंगा यात्रा के माध्यम से देशभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के साथ अधिक से अधिक नागरिकों को अभियान से जोड़ा जाएगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से पूरी सक्रियता और जिम्मेदारी के साथ कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति सम्मान और गौरव की अभिव्यक्ति है। भाजपा कार्यकर्ता समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचकर लोगों को तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित करें और राष्ट्रीय एकता तथा अखंडता का संदेश दें।

.कार्यक्रम को भव्य बनाने पर जोर.

कार्यक्रम संयोजक पूनम शुक्ला ने कहा कि तिरंगा यात्रा राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय एकता का संदेश पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। सभी मंडलों और कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक नागरिकों को जोड़ने की अपील की। सह-संयोजक मनोज तिवारी ने कहा कि यात्रा को भव्य और व्यवस्थित रूप से आयोजित करने के लिए सभी को निष्ठा के साथ जिम्मेदारियां निभानी होंगी। समाज के सभी वर्गों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए व्यापक जनसंपर्क किया जाएगा। कार्यक्रम की सफलता के लिए संयोजक पूनम शुक्ला और सह-संयोजक मनोज तिवारी, रश्मि सिंह एवं भारती साहू को विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। अंत में रश्मि सिंह ने सभी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और अतिथियों का आभार व्यक्त कर हर घर तिरंगा अभियान में सहयोग की अपील की।

बैठक में जिला उपाध्यक्ष त्रिलोचन सिंह, नटवर ताम्रकार, जिला महामंत्री मनीष अग्रवाल, कार्यालय प्रभारी योगेंद्र सिंह, कार्यालय सह प्रभारी राजेंद्र सिंह, तिलक राज यादव, कार्यालय मंत्री सचिन ताम्रकार, जिला प्रवक्ता प्रेम लाल साहू, मीडिया सह प्रभारी सूरज जायसवाल, सोशल मीडिया प्रभारी ज्ञानदास मानिकपुरी, आईटी सेल मो. जाकिर, सुभाष शर्मा, हुसैन, युवा मोर्चा अध्यक्ष सौरभ जायसवाल, महिला मोर्चा अध्यक्ष स्वीटी कौशिक, अनुसूचित जनजाति मोर्चा पिछड़ा वर्ग मोर्चा अध्यक्ष दिनेश देवांगन, मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह, हीरामन, रोहित साहू, शशि भगत, रामजी निर्मलकर, कुमन साहू, घनश्याम साहू सहित मंडल महामंत्री, पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

खास खबर

सिमगा पुलिस की बड़ी सफलता अंतरजिला वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश, 13 वाहन बरामद

CCTV और मुखबिर की मदद से 3 शातिर आरोपी गिरफ्तार, विधि विरोधी किशोर भी शामिल

नई दृष्टिबिंदु / सिमगा।

बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस ने वाहन चोरी करने वाले अंतरजिला गिरोह का भंडाफोड़ किया है। थाना सिमगा पुलिस ने 3 शातिर आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 11 दोपहिया और 2 मालवाहक सहित कुल 13 वाहन बरामद किए हैं। मामला दिनांक 04.08.2026 का है जब प्रार्थीया टेमप्रिया सोनवानी की स्कूटी उञ्ञ्-22- -1401 सब्जी मार्केट सिमगा से चोरी हो गई थी। पुलिस अधीक्षक गौरव राय के निर्देश पर गठित टीम ने सिमगा से भाटापारा, हथबंद और सुहेला मार्ग के सैकड़ों उउळश कैमरों के फुटेज खंगाले। फुटेज और मुखबिर सूचना के आधार पर पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपियों को पकड़ा।

किशोर से करवाते थे चोरी

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे भीड़भाड़ वाले मार्केट एरिया की रेकी कर विधि विरोधी किशोर से गाड़ियां चोरी करवाते थे। इसके बाद चोरी की मोटरसाइकिल, पार्ट्स और वाहनों को आपस में खपाते थे। गिरोह मुख्य रूप से बलौदाबाजार-भाटापारा, रायपुर, बिलासपुर और जांजगीर-चांपा के बाजार क्षेत्रों को निशाना बनाता था।

आरोपियों के खिलाफ अकेले बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में 6 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। पड़ोसी जिलों में भी इन पर चोरी के कई मामले हैं।

.गिरफ्तार आरोपी.

1. भागीरथी बंजारे, 42 वर्ष, निवासी घिरधोल, थाना पलारी
2. लव कुमार मरकाम, 38 वर्ष, निवासी अर्जुनी, थाना भाटापारा ग्रामीण
3. तरुण कुमार साहू, 32 वर्ष, निवासी अर्जुनी, थाना भाटापारा ग्रामीण

एक विधि विरोधी किशोर को भी हिरासत में लिया गया है

आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 326/2026 धारा 303(2), 317(2), 340, 95, 112 इठर, किशोर न्याय अधिनियम की धारा 83(2) और एम.वी. एक्ट के तहत कार्रवाई कर न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

.पुलिस की अपील.

पुलिस अधीक्षक गौरव राय ने जनता से अपील की है कि सेकंड हैंड गाड़ी खरीदते समय फ्ठ बुक, बीमा और असली मालिक की पहचान जरूर सत्यापित करें। बिना दस्तावेज सस्ती गाड़ी खरीदने पर आप भी चोरी के माल का अपराधी बन सकते हैं। संदिग्ध वाहन बिक्री की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

दिल्ली के मंच पर गूंजी छत्तीसगढ़ की पंडवानी तीजन बाई को दी गई श्रद्धांजलि

इंडिया हैबिटेट सेंटर में प्रभा यादव की प्रस्तुति ने बांधा समां

नई दृष्टिबिंदु / 00000

छत्तीसगढ़ की लोक कला पंडवानी ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के प्रतिष्ठित इंडिया हैबिटेट सेंटर में अपनी पूरी जीवंतता के साथ दर्शकों का मन मोह लिया। आईएचसी लोक संगीत सम्मेलन 2026 का शुभारंभ महान पंडवानी कलाकार और पद्म विभूषण से सम्मानित स्वर्गीय तीजन बाई की स्मृति को समर्पित विशेष प्रस्तुति के साथ हुआ।

महाभारत की कथा से बांधा समां

इंडिया हैबिटेट सेंटर के स्टाइन ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में पंडवानी कलाकार प्रभा यादव ने पारंपरिक संगीतकारों के साथ प्रस्तुति दी। महाभारत की कथाओं पर आधारित पंडवानी में कथा, गायन, संवाद, लय और अभिनय का ऐसा संगम देखने को मिला जिसने छत्तीसगढ़ की इस लोक शैली की ताकत और व्यापकता को सामने रखा। पंडवानी केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि पीढ़ियों से चली आ रही सांस्कृतिक स्मृतियों और जीवन मूल्यों को आगे बढ़ाने का माध्यम है।

तीजन बाई के योगदान को किया याद.

कार्यक्रम का केंद्र तीजन बाई की कला यात्रा और पंडवानी को मिली राष्ट्रीय पहचान रही। वक्ताओं ने कहा कि तीजन बाई ने पंडवानी को गांवों से निकालकर देश और दुनिया के बड़े मंचों तक पहुंचाया। उनकी विशिष्ट शैली ने इसे भारतीय लोक प्रदर्शन कलाओं की प्रमुख विधाओं में स्थापित किया। इंडिया हैबिटेट सेंटर के निदेशक प्रो. के.जी. सुरेश ने कहा कि भारत की लोक कलाएं देश की सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। लोक कलाकारों को राष्ट्रीय राजधानी में मंच देना इन विरासतों को व्यापक दर्शकों तक पहुंचाने का प्रयास है।

धरसींवा विधायक और प्रसिद्ध छत्तीसगढ़ी फिल्म कलाकार अनुज शर्मा ने कहा, "पंडवानी छत्तीसगढ़ की पहचान है। दिल्ली में इस परंपरा का सम्मान होना पूरे प्रदेश के लिए गौरव का विषय है।" अन्वेषा कला केंद्र की सचिव अन्वेषा ब्रह्मा ने कहा कि भारत की लोक परंपराओं में सदियों का इतिहास और जीवन-दर्शन सुरक्षित है। ऐसे आयोजन इन परंपराओं को नई पीढ़ी से जोड़ते हैं। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ सरकार के प्रतिनिधियों के साथ वरिष्ठ पत्रकार और मुख्यमंत्री के सलाहकार आर. कृष्ण दास, प्रबल प्रताप सिंह जूदेव और सांस्कृतिक कार्यकर्ता शामिल हुए।

.देश की लोक कलाओं का साझा मंच.

आईएचसी लोक संगीत सम्मेलन भारत के विभिन्न हिस्सों की लोक संगीत, कथावाचन और प्रदर्शन परंपराओं को एक मंच देने वाला वार्षिक आयोजन है। इस वर्ष सम्मेलन की शुरुआत छत्तीसगढ़ की पंडवानी से होना विशेष महत्व रखता है। अन्वेषा कला केंद्र पिछले 25 वर्षों से अधिक समय से भारत की शास्त्रीय और लोक कलाओं के संरक्षण और संवर्धन के क्षेत्र में कार्य कर रहा है।

प्री मैट्रिक कन्या छात्रावास छिन्द में धूमधाम से मनाया गया विश्व आदिवासी दिवस

नई दृष्टिबिंदु / सारंगढ़।

सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के सारंगढ़ तहसील अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्र में स्थित प्री मैट्रिक अनुसूचित जाति कन्या छात्रावास छिन्द में विश्व आदिवासी दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों और अधीक्षिका द्वारा छात्रावास परिसर में वृक्षारोपण किया गया।

छात्रावास परिसर अब गार्डन के रूप में विकसित हो गया है। यहां किचन गार्डन में अमरूद, सीताफल, आम, आंवला, नींबू, संतरा, केला, पपीता, मुनगा, भिंडी, लौकी, करेला जैसी फल और सब्जियां लगाई गई हैं। फूलों में गुलाब, मंदार, कनेर और विभिन्न प्रकार के शो पत्ते लगाकर परिसर का सौंदर्यीकरण किया गया है। इस वर्ष छात्रावास में कक्षा 8वीं की 12 बालिकाएं अध्ययनरत थीं। सभी ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। इनमें सर्वाधिक 93 प्रतिशत अंक लाने वाली कु. दिव्या कोसले को सर्वसम्मति से छात्रा नायक चुना गया। सभी बच्चों और अधीक्षिका ने उन्हें बधाई दी।

उल्लेखनीय है कि इसी संस्था की छात्रा कु. सृष्टि कोसले ने कक्षा 10वीं में 90 प्रतिशत अंक लाकर छात्रावास का नाम रोशन किया था।

अध्ययन और सुविधाओं पर विशेष ध्यान.

अधीक्षिका की पहल से छात्रावास में अध्ययन का बेहतर माहौल बना है। अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़े वर्ग की बालिकाओं के हित में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। छात्रावास में प्रोजेक्टर के माध्यम से पढ़ाई, मनोरंजन के लिए टीवी और कंप्यूटर शिक्षा के लिए कंप्यूटर की सुविधा उपलब्ध है।

अच्छी व्यवस्था और मार्गदर्शन के कारण दूरदराज और अन्य जिलों से भी बालिकाएं यहां प्रवेश ले रही हैं। आदिवासी विकास विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों के सहयोग से यह छात्रावास जिले में आदर्श संस्था के रूप में पहचान बना रहा है।

चिखली पुलिस की कार्रवाई : शांति भंग करने वाले 3 बदमाश गिरफ्तार

BNS की धारा 170 के तहत न्यायालय में पेश किया गया

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देशन और नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली जैन के पर्यवेक्षण में चिखली पुलिस ने क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अभियान चलाकर 3 बदमाशों के विरुद्ध कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार दिनांक 09.08.2026 को लक्ष्मण पारधी, विजय यादव और सागर साहू राह चलते लोगों से वाद-विवाद कर शांति भंग कर रहे थे। तीनों से अप्रिय घटना की संभावना को देखते हुए उनके विरुद्ध बीएनएस की धारा 170, 126, 135(3) के तहत कार्रवाई की गई।

1. लक्ष्मण पारधी पिता संतु पारधी, उम्र 35 वर्ष, निवासी बोईरडीह, पुलिस चौकी चिखली
2. विजय यादव पिता स्व. शंकर यादव, उम्र 24 वर्ष, निवासी गौरीनगर महादेवनगर, पुलिस चौकी चिखली
3. सागर साहू पिता महावीर साहू, उम्र 25 वर्ष, निवासी चिखली वार्ड नं. 05, पुलिस चौकी चिखली

तीनों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय राजनांदगांव में पेश किया गया।

सराहनीय भूमिका

इस कार्रवाई में चौकी प्रभारी उप निरीक्षक कैलाश चन्द्र मरई, प्र.आर. अरविंद साहू, म.प्र.आर. वंदना पटेल, आर. चन्द्रकपूर आयाम, सुनील बैरागी, आदित्य सोलंकी, गोपाल पैकरा एवं चौकी चिखली स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस ने बताया कि क्षेत्र को नशा मुक्त और शांतिपूर्ण बनाए रखने के लिए असामाजिक तत्वों के विरुद्ध यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

अपराध | शव को 300 मीटर दूर सीमेंट पाइप में छिपाया था, खमतराई पुलिस की त्वरित कार्रवाई

मामूली विवाद पर दोस्तों ने कर दी हत्या, 3 आरोपी चंद घंटों में गिरफ्तार

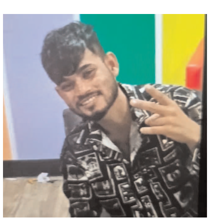

नई दृष्टिबिंदु / 00000

खमतराई थाना क्षेत्र में दोस्ती में हुए विवाद के बाद एक युवक की हत्या कर शव छिपाने के मामले में पुलिस ने चंद घंटों में 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला के निर्देशन में की गई प्रोएक्टिव पुलिसिंग के तहत यह कार्रवाई की गई।

पुलिस के अनुसार दिनांक 06.08.2026 की रात 10 से 12 बजे के बीच मृतक पवन टंडन और आरोपी सूरज यादव, प्रकाश यादव, समीर खान चारों बांधा तालाब सूखा मैदान बंजारी नगर रावांभाठा में बैठकर शराब पी रहे थे। रात 01 से 01.30 बजे के बीच पवन टंडन से विवाद हो गया। इस दौरान समीर खान ने लोहे के रॉड से पवन के सिर पर वार किया। इसके बाद प्रकाश यादव ने पास रखे सीमेंट कंक्रीट के बड़े टुकड़े से सिर पर हमला किया और सूरज यादव ने गला दबाया। फिर समीर खान ने 2-3 बार कंक्रीट का टुकड़ा सिर पर पटका जिससे पवन टंडन की मौके पर ही मौत हो गई।

शव को 300 मीटर दूर पाइप में छिपाया.

आरोपियों ने सबूत मिटाने के लिए शव को उठाकर घटना स्थल से करीब 300 मीटर दूर बनी सीमेंट पाइप लाइन के अंदर लगभग 12 फीट अंदर छिपा दिया। मुखबिर की सूचना पर खमतराई पुलिस ने तीनों संदेहियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उन्होंने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

पुलिस टीम आरोपियों के साथ घटना स्थल पहुंची और बताए अनुसार पाइप से शव बरामद किया। एफएसएल टीम और परिजनों को बुलाकर शिनाख्त कराई गई। परिजनों ने मृतक की पहचान पवन टंडन के रूप में की। परिजन पिछले दो दिनों से पवन की तलाश कर रहे थे।

.हत्या का मामला दर्ज, हथियार जब्त.

मृतक के चचेरे भाई प्रकाश भट्ट की रिपोर्ट पर आरोपियों के खिलाफ थाना खमतराई में अपराध क्रमांक 752/2026 धारा 103(1), 238, 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त लोहे का रॉड, कंक्रीट का टुकड़ा और आरोपियों के कपड़े भी जब्त किए हैं।

.गिरफ्तार आरोपी.

1. समीर खान पिता आबित खान, उम्र 19 वर्ष, निवासी शिव मंदिर के पास बंजारी नगर रावांभाठा 2. प्रकाश यादव उर्फ दादु पिता देवनाथ यादव, उम्र 18 वर्ष, निवासी बंजारी नगर तालाब पार रावांभाठा

3. सूरज यादव पिता रामजी यादव, उम्र 19 वर्ष, निवासी बंजारी नगर शिव मंदिर के पास बांधा पारा रावांभाठा .मृतकः. पवन टंडन पिता रूप सिंह टंडन, उम्र 22 वर्ष, निवासी रावांभाठा खमतराई इस कार्रवाई में डीसीपी उत्तर दीपमाला कश्यप, एडीसीपी उत्तर आदित्य पाण्डे, एसीपी उरला पूर्णिमा लामा के निर्देशन में थाना प्रभारी निरीक्षक जितेन्द्र जायसवाल और उनकी टीम की सराहनीय भूमिका रही।

गुंडा-बदमाश शुभम तागड़े 3 माह के लिए NSA में जेल निरुद्ध

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिला दंडाधिकारी अभिजीत सिंह के आदेश पर छावनी थाना क्षेत्र के कुख्यात गुंडा-बदमाश शुभम तागड़े उर्फ मराठा को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम ठरअ 1980 के तहत 3 माह के लिए केंद्रीय जेल दुर्ग में निरुद्ध किया गया है।

पुलिस अधीक्षक दुर्ग द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर 6 अगस्त 2026 को पारित आदेश के अनुपालन में शुभम तागड़े को 8 अगस्त 2026 को गिरफ्तार कर केंद्रीय जेल भेजा गया।

*2015 से लिप्त है पुलिस के अनुसार शुभम तागड़े पिता दिनेश तागड़े, उम्र 29 वर्ष, निवासी मिलन चौक कैम्प-02 भिलाई, थाना छावनी क्षेत्र का निगरानी बदमाश है। वह वर्ष 2015 से लगातार आपराधिक गतिविधियों में लिप्त है। थानावार देखें तो थाना छावनी में 17, जामुल में 3, खुर्सीपार में 3, नंदिनी में 1, दुर्ग कोतवाली में 1 और भिलाई भट्टी में 1 मामला दर्ज है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में कानून व्यवस्था बिगाड़ने वाले असामाजिक तत्वों पर ठरअ और अन्य कठोर प्रावधानों के तहत लगातार कार्रवाई की जाएगी।

रुद्राक्ष के 1 छोटे से उपाय से दूर कर सकते हैं कुंडली के दोष

रुद्राक्ष को हमारे शास्त्रों ने अत्यंत पवित्र माना है। किंवदंती है कि रुद्राक्ष भगवान शिव की आंख का अंश है। रुद्राक्ष एक से लेकर चौदह मुखी तक पाए जाते हैं। एक मुखी रुद्राक्ष अत्यंत दुर्लभ होने के साथ-साथ साक्षात भगवान शिव का प्रत्यक्ष रूप माना जाता है। अतः उचित रुद्राक्ष धारण कर जन्मपत्रिका में बने अशुभ योगों के दुष्प्रभाव में कम कर लाभ प्राप्त किया जा सकता है। आइए जानते हैं कि जन्मपत्रिका के किस दोष के लिए कौन सा रुद्राक्ष धारण किया जाना श्रेयस्कर रहेगा-

- मांगलिक दोष- मांगलिक दोष की शांति के लिए 11 मुखी रुद्राक्ष धारण करना लाभप्रद रहता है।
- ग्रहण दोष- ग्रहण दोष की शांति के लिए 2 एवं 8 मुखी रुद्राक्ष का लॉकेट धारण करना लाभप्रद रहता है।
- केमद्रुम दोष- केमद्रुम दोष की शांति के लिए 13 मुखी रुद्राक्ष चांदी में धारण करना लाभप्रद रहता है।
- शकट दोष- शकट दोष की शांति के लिए 10 मुखी रुद्राक्ष धारण करना लाभप्रद रहता है।
- कालसर्प दोष- कालसर्प दोष की शांति के लिए 8 व 9 मुखी रुद्राक्ष का लॉकेट धारण करना लाभप्रद रहता है।
- अंगारक दोष- अंगारक दोष की शांति के लिए 3 मुखी रुद्राक्ष धारण करना लाभप्रद रहता है।
- चांडाल दोष- चांडाल दोष की शांति के लिए 5 व 10 मुखी रुद्राक्ष का लॉकेट धारण करना लाभप्रद रहता है।

आपकी किचन में ही छुपे हैं सफलता और असफलता के राज

वास्तु के अनुसार चीजें व्यवस्थित न हों तो वह अपशगुन का कारण बनती हैं। ऐसे में घर की रसोई का विशेष ख्याल रखना चाहिए। किचन की दिशा के साथ ही साथ रसोई घर में काम आने वाले तमाम बर्तन भी शुभता और अशुभता का कारण हो सकते हैं। यदि उनका ठीक प्रकार से प्रयोग न किया जाए या फिर उसे उचित स्थान पर सही तरीके से न रखा जाए तो उसके परिणाम नुकसानदायक साबित हो सकते हैं। किचन के बर्तनों का सही तरह से प्रयोग न करने पर ये दरिद्रता का भी कारण बन सकती है।

वास्तु के अनुसार किचन में सबसे अधिक प्रयोग आने वाले बर्तनों में तवे का बहुत ज्यादा महत्व होता है। वास्तु के अनुसार तवा और कढ़ाई राहु का प्रतिनिधित्व करने वाले होते हैं। ऐसे में इनका प्रयोग करते समय विशेष ख्याल रखे जाने की जरूरत होती है। मसलन, तवे या कढ़ाई को कभी भी जूठा न करें ना ही उस पर जूठी सामग्री रखें। हालांकि किचन में जूठे हाथ से किसी भी बर्तन को नहीं छूना चाहिए और न ही वहां पर जूठी सामग्री रखना चाहिए। किचन में पवित्रता का पूरा ख्याल रखना बहुत जरूरी होता है। घर के इस कोने में स्वच्छता का जितना ख्याल रखा जाएगा धन आगमन के रास्ते उतने ही आसान होंगे।

किचन में वास्तु से जुड़े नियम

रात को खाना बनाने के बाद तवे को हमेशा धो कर रखें। जब तवे का उपयोग न करना हो तो उसे ऐसी जगह पर रखें जहां से वह आम नजरों में न आ पाए। कहने का तात्पर्य उसे खुले में रखने की बजाए किसी आलमारी या दराज में रखें।

- तवे या कढ़ाई को कभी भी उल्टा नहीं रखना चाहिए क्योंकि तवा को उल्टा रखने से घर में राहु की नकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।
- तवा और कढ़ाई को जहां पर खाना बनाते हों, उसकी दाईं ओर रखें क्योंकि किचन के दाईं ओर मां अन्नपूर्णा का स्थान होता है।
- कभी भी भूलकर गर्म तवे पर पानी न डालें। वास्तु के अनुसार ऐसा करने पर घर में मुसीबतें आती हैं।

भगवान शिव के वाहन नंदी के कान में क्यों बोलते हैं मनोकामना

शिव मंदिर में लोग शिवलिंग के दर्शन और पूजा करने के बाद वहां शिवजी के सामने विराजित भगवान नंदी की मूर्ति के दर्शन कर उनकी पूजा करते हैं और अंत में उनके कान में अपनी मनोकामना बोलते हैं। आखिर उनके कान में मनोकामना बोलने की परंपरा क्यों है? आओ जानते हैं इस संबंध में पौराणिक कथा। भगवान शिव के प्रमुख गणों में से एक है नंदी। भैरव, वीरभद्र, मणिभद्र, चंदिस, श्रृंगी, भृंगिरिटी, शैल, गोकर्ण, घंटाकर्ण, जय और विजय भी शिव के गण हैं। माना जाता है कि प्राचीनकालीन किताब कामशास्त्र, धर्मशास्त्र, अर्थशास्त्र और मोक्षशास्त्र में से कामशास्त्र के रचनाकार नंदी ही थे। बैल को महिष भी कहते हैं जिसके चलते भगवान शंकर का नाम महेश भी है।

शिवजी के सामने नंदी क्यों है विराजित शिलाद मुनि ने ब्रह्मचर्य का पालन करने का संकल्प लिया। इससे वंश समाप्त होता देखकर उनके पितर चिंतित हो गए और उन्होंने शिलाद को वंश आगे बढ़ाने के लिए कहा। तब उन्होंने संतान की कामना के लिए इंद्रदेव को तप से प्रसन्न कर जन्म और मृत्यु के बंधन से हीन पुत्र का वरदान मांगा। परंतु इंद्र ने यह वरदान देने में असमर्थता प्रकट की और भगवान शिव का तप करने के लिए कहा। भगवान शंकर ने शिलाद मुनि के कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर स्वयं शिलाद के पुत्र रूप में प्रकट होने का वरदान दिया। कुछ समय बाद भूमि जोतते समय शिलाद को एक बालक मिला, जिसका नाम उन्होंने नंदी रखा।

शिलाद ऋषि ने अपने पुत्र नंदी को संपूर्ण वेदों का ज्ञान प्रदान किया। एक दिन शिलाद ऋषि के आश्रम में मित्र और वरुण नाम के दो दिव्य ऋषि पधारे। नंदी ने अपने पिता की आज्ञा से उन ऋषियों की उन्होंने अच्छे से सेवा की। जब ऋषि जाने लगे तो उन्होंने शिलाद ऋषि को तो लंबी उम्र और खुशहाल जीवन का आशीर्वाद दिया लेकिन नंदी को नहीं।

तब शिलाद ऋषि ने उनसे पूछा कि उन्होंने नंदी को आशीर्वाद क्यों नहीं दिया? इस पर ऋषियों ने कहा कि नंदी अल्पायु है। यह सुनकर शिलाद ऋषि चिंतित हो गए। पिता की चिंता को नंदी ने जानकर पूछा क्या बात है पिताजी। तब पिता ने कहा कि तुम्हारी अल्पायु के बारे में ऋषि कह गए हैं इसीलिए मैं चिंतित हूं। यह सुनकर नंदी हंसने लगा और कहने लगा कि आपने मुझे भगवान शिव की कृपा से पाया है तो मेरी उम्र की रक्षा भी वही करेंगे आप क्यों नाहक चिंता करते हैं।

इतना कहते ही नंदी भुवन नदी के किनारे शिव की तपस्या करने के लिए चले गए। कठोर तप के बाद शिवजी प्रकट हुए और कहा वरदान मांगो वत्स। तब नंदी ने कहा कि मैं उम्रभर आपके सानिध्य में रहना चाहता हूं। नंदी के समर्पण से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने नंदी को पहले अपने गले लगाया और उन्हें बैल का चेहरा देकर उन्हें अपने वाहन, अपना दोस्त, अपने गणों में सर्वोत्तम के रूप में स्वीकार कर लिया।

शिवलिंग पर दूध चढ़ाने का
पौराणिक और साइंटिफिक कारण

शिव मंदिर में शिवलिंग पर जल के अलावा दूध, घी, शहद, दही आदि क्यों अर्पित किए जाते हैं? इसके दो कारण हैं पहला कारण तो पौराणिक है और दूसरा कारण साइंटिफिक है। आओ जानते हैं हम दोनों ही कारणों को संक्षिप्त में।

पौराणिक कथा के अनुसार जब समुद्र मंथन हुआ तो सबसे पहले उसमें से विष निकला। इस विष से संपूर्ण संसार पर विष का खतरा मंडराने लगा। इस विपत्ति को देखते हुए सभी देवता और दैत्यों ने भगवान शिव से इससे बचाने की प्रार्थना की। क्योंकि केवल भगवान शिव के पास ही इस विष के ताप और असर को सहने की क्षमता थी। तब भगवान शिव ने संसार के कल्याण के लिए बिना किसी देरी के संपूर्ण विष को अपने कंठ में धारण कर लिया। विष का तीखापन और ताप इतना ज्यादा था कि भोले बाबा का कंठ नीला हो गया और उनका शरीर ताप से जलने लगा। जब विष का घातक प्रभाव शिव और शिव की जटा में विराजमान देवी गंगा पर पड़ने लगा तो उन्हें शांत करने के लिए जल की शीतलता कम पड़ने लगी। उस वक्त सभी देवताओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक करने के साथ ही उन्हें दूध ग्रहण करने का आग्रह किया ताकि विष का प्रभाव कम हो सके। सभी के कहने से भगवान शिव ने दूध ग्रहण किया और उनका दूध से अभिषेक भी किया गया। तभी से ही शिवलिंग पर दूध चढ़ाने की परंपरा चली आ रही है। कहते हैं कि दूध भोले बाबा का प्रिय है और उन्हें सावन के महीने में दूध से स्नान कराने पर सारी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

साइंटिफिक कारण

- कहते हैं कि शिवलिंग एक विशेष प्रकार का पत्थर होता है। इस पत्थर को क्षरण से बचाने के लिए ही इस पर दूध, घी, शहद जैसे चिकने और ठंडे पदार्थ अर्पित किए जाते हैं।
- अगर शिवलिंग पर आप कुछ रसायुक्त या तैलीय सामग्री अर्पित नहीं करते हैं तो समय के साथ ये भंगुर होकर टूट सकते हैं, परंतु यदि उन्हें हमेशा गीला रखा जाता है तो वह हजारों वर्षों तक ऐसे के ऐसे ही बने रहते हैं। क्योंकि शिवलिंग का पत्थर उपरोक्त पदार्थों को एब्जॉर्ब कर लेता है जो एक प्रकार से उसका भोजन ही होता है।
- शिवलिंग पर उचित मात्रा में ही और खास समय पर ही दूध, घी, शहद, दही आदि अर्पित किए जाते हैं और शिवलिंग को हाथों से रगड़ा नहीं जाता है। यदि अत्यधिक मात्रा में अभिषेक होता है या हाथों से रगड़ा जाता है तो भी शिवलिंग का क्षरण हो सकता है। इसीलिए खासकर सोमवार और श्रावण माह में ही अर्पित करने की परंपरा है।

हत्याहरण तीर्थ सरोवर

हम आपको एक ऐसे सरोवर के बारे में बताने जा रहे हैं जिसमें स्नान करने के बाद आपके सारे पाप समाप्त हो जाते हैं और पुनः साफ-सुथरे मन से आप आगे का जीवन जीने के लिए अग्रसर हो सकते हैं। ऐसा हम नहीं कह रहे हैं, इस सरोवर से जुड़ी कथाएं व यहां के लोगों की आस्था इस बात का प्रतीक है कि इस सरोवर में नहाने से लोगों के पाप नष्ट हो जाते हैं। इस सरोवर से जुड़ी कथाओं की पुष्टि करने के लिए जब हम उत्तरप्रदेश की राजधानी लखनऊ से लगभग 150 किलोमीटर की दूरी पर बने, जो हरदोई जनपद की संडीला तहसील में पवित्र नैमिषारण्य परिक्रमा क्षेत्र में स्थित है। जब हम इस सरोवर के साक्षात दर्शन करने पहुंचे तो इस सरोवर से जुड़ी लोगों की आस्थाओं को देखकर एक बार विश्वास हो चला कि हो ना हो इस सरोवर में स्नान करने के बाद कहीं न कहीं पापों से मुक्ति मिल जाती है क्योंकि सरोवर में स्नान करने वालों की अपार भीड़ थी। इस सरोवर से जुड़ी कथाओं को जानने का प्रयास किया तो कई बातें सामने निकलकर आईं। सरोवर के पास पीढ़ियों से फूलमालाओं का काम करने वाले 80 साल के जगन्नाथ से इस सरोवर से जुड़ी बातों को जानना चाहा तो जगन्नाथ ने बताया की पौराणिक बातों में कितनी सत्यता है, इसकी पुष्टि तो वे नहीं करते लेकिन जो यह बताने जा रहे हैं, इसके बारे में उन्होंने अपने पिताजी से सुना था। उन्होंने कि कहा जब मैं अपने पिताजी के साथ इस सरोवर पर फूल बेचने के लिए आता था तो मैंने एक दिन अपने पिता से पूछा कि यहां पर इतने सारे लोग क्या करने आते हैं तो उन्होंने मुझे बताया कि हजारों वर्ष पूर्व जब भगवान राम ने रावण का वध कर दिया था तो उन्हें ब्रह्महत्या का दोष लग गया था। उस पाप को मिटाने के लिए भगवान राम भी इस सरोवर में स्नान करने आए थे। इस सरोवर के निर्माण के बारे में शिव पुराण में वर्णन है कि माता पार्वती के साथ भगवान भोलेनाथ एकांत की खोज में निकले और नैमिषारण्य क्षेत्र में विहार करते हुए एक जंगल में जा पहुंचे। वहां पर सुरम्य जंगल मिलने पर तपस्या करने लगे। तपस्या करते हुए माता पार्वती को प्यास लगी। जंगल में कहीं जल न मिलने पर उन्होंने देवताओं से पानी के लिए कहा तब सूर्य देवता ने एक कमंडल जल दिया। देवी पार्वती ने जलपान करने के बाद शेष बचे जल को जमीन पर गिरा दिया। तेजस्वी पवित्र जल से वहां पर एक कुंड का निर्माण हुआ और जाते वक्त भगवान शंकर ने इस स्थान का नाम प्रभास्कर क्षेत्र रखा।

यह कहानी सतयुग की है। काल बीतते रहे द्वापर में ब्रह्मा द्वारा अपनी पुत्री पर कुदृष्टि डालने पर पाप लगा। उन्होंने इस तीर्थ में आकर स्नान किया तब वे पाप मुक्त हुए। जगन्नाथ ने बताया कि तब से यहां पर मान्यता चली आ रही है की जो इस स्थान पर आकर स्नान करेगा वह पाप मुक्त हो जाएगा। हत्या मुक्त हो जाएगा। यहां पर राम का एक बार नाम लेने से हजार नामों का लाभ मिलेगा। तब से आज तक लोग यहां इस पावन तीर्थ पर आकर हत्या, गोहत्या एवं अन्य पापों से मुक्ति पा रहे हैं।

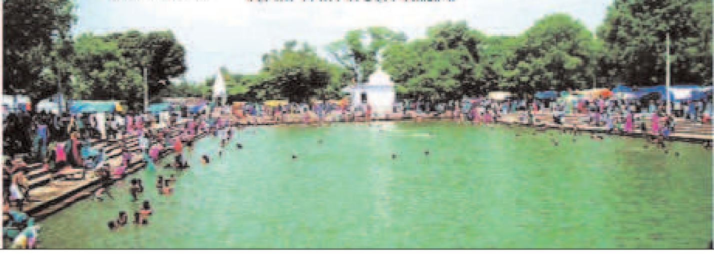

फेंगशुई क्या है? कैसे करता है लाइफ को प्रभावित

फेंगशुई चीन का वास्तु शास्त्र है जिसका भारत में भी बहुत ज्यादा प्रचलन हो चला है। फेंगशुई के कई आइटम आजकल बाजार में मिलते हैं। जैसे विंड चाइम, लाफिंग बुद्धा, कछुआ, तीन टांगों वाला मेंढक, मछलीघर, तीन सिक्के, क्रिस्टल-ट्री, बांस का पौधा आदि। आओ जानते हैं कि कैसे करता है लाइफ को प्रभावित फेंगशुई।

वायु और जल

फेंग और शुई का शाब्दिक अर्थ है वायु और जल। फेंगशुई के टिप्स घर के वायु और जल को सकारात्म दिशा देने वाले होते हैं। यह घर के वातावरण को प्रभावित करता है।

प्रकाश

यदि घर में नकारात्मक प्रकाश कहीं से आ रहा है या घर में ही कहीं नकारात्मक प्रकाश है तो फेंगशुई उस प्रकाश को सकारात्मक प्रकाश में बदलकर हमारी लाइफ को प्रभावित करता है।

मानसिक दशा

फेंगशुई घर के लोगों की मानसिक दशा बदलने का कार्य भी करता है। इसके लिए फेंगशुई के जो आइटम घर में रखते हैं उससे लोगों की मानसिकता बदलती है। जैसे लाफिंग बुद्धा को घर में रखने से मानसिक परेशानी दूर होती है। इसी तरह के अन्य कई आइटम हैं।

दिशाओं के गलत प्रभाव को रोकना

फेंगशुई पूरी तरह से पांच तत्वों पानी, अग्नि, पृथ्वी, धातु, लकड़ी के तत्वों पर कार्य करती है। फेंगशुई के अनुसार इन पांच तत्वों की मदद से दिशाओं के गलत प्रभावों पर काबू पा सकते हैं।

घर की उर्जा

घर में बिना तोड़फोड़ किए ही फेंगशुई साधनों का उपयोग कर घर को अपने अनुरूप बनाया जा सकता है। इन साधनों का उपयोग कर फेंगशुई की सकारात्मक ऊर्जा के प्रवाह में वृद्धि की जा सकती है।

ची ऊर्जा

फेंगशुई के अंतर्गत विभिन्न प्राकृतिक तत्वों का प्रतिनिधित्व करने वाली वस्तुओं को उचित दिशा और स्थान पर रखने से 'ची' यानी कि ऊर्जा का सकारात्मक प्रवाह सुनिश्चित किया जाता है। घर की 'ची' ऊर्जा को संतुलित करने के लिए सबसे अहम चीजों में से एक होती है उचित प्राकृतिक प्रकाश और हवा की व्यवस्था। फेंगशुई इसी संबंध में जानकारी देता है।

रंग

घर की खूबसूरती और ऊर्जा में रंगों का बड़ा योगदान रहता है। सही स्थान पर सही प्रकार के रंग का प्रयोग उसे सुंदर भी बनाता है और साथ ही वहां की ऊर्जा का भी प्रकृति के साथ समायोजन कर देता है। फेंगशुई के प्रोडक्ट्स या आइटम न सिर्फ किसी स्थान की ऊर्जा को संतुलित करने का काम करते हैं, बल्कि यह सजावट के रूप में भी काम में लिए जा सकते हैं।

साफ-सफाई

फेंगशुई के वास्तु के अनुसार घर की साफ सफाई का आपके घर के वातावरण और मानसिकता पर असर पड़ता है। अतः साफ-सफाई का रहना जरूरी है।

ग्रीनरी और गार्डन

फेंगशुई के अनुसार घर की ग्रीनरी सकारात्मक प्रभाव को बढ़ाती है। इनडोर प्लान्ट्स घर में खुशियां लाते हैं और घर के हर कोने को आकर्षक बना देते हैं। इसीलिए फेंगशुई में बांस का पौधा बोनसाई पौधे रखने का प्रचलन है।

रिश्ते और खुशी

फेंगशुई के अनुसार धन, सुख, सौभाग्य के साथ ही रिश्तों में मधुरता और खुशी के लिए फेंगशुई के उपाय कारगर सिद्ध होते हैं। हर कोई यदि चाहता है कि हम खुश रहें। फेंगशुई के आइटम यही कार्य करते हैं।

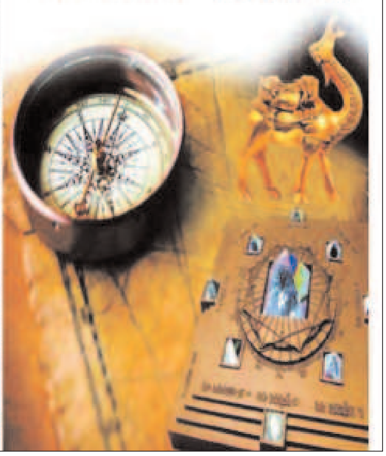

जोक्स

चुड़ैल

बहू रोए जा रही थी, सास ने पुचकारते हुए पूछा- क्यों बेटी! रो क्यों रही हो?
बहू: क्या मैं चुड़ैल जैसी दिखती हूं?
सास: नहीं, बिल्कुल नहीं।
बहू: क्या मेरी आंखें मेंढकी की तरह हैं?
सास: नहीं तो।
बहू: क्या मेरी नाक पकौड़े जैसी है?
सास: नहीं।
बहू: क्या मैं भैंस जैसी मोटी और काली हूं?
सास: नहीं बेटी, बिल्कुल नहीं।
बहू: फिर सारे मोहल्ले के लोग क्यों कहते फिरते हैं कि तू तो अपनी सास जैसी दिखती है।

बड़े हो गए

आंटी: ओ बेटा, तुम तो बड़े हो गए।
लड़का: हां आंटी और कोई ऑप्शन ही नहीं था मेरे पास।

भूत

मास्टर जी: मर भी गया तो मैं तुझे करता रहूंगा प्यार। इस पंक्ति के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है?
पप्पू: सर इसका मतलब है कि कवि अपनी प्रेमिका को भूत बनकर डराना चाहता है।

प्रेस

पति: मेरी शर्ट उल्टी करके प्रेस करना।
पत्नी: ठीक है।
पति कुछ देर बाद: मेरी शर्ट प्रेस हो गई?
पत्नी: नहीं।
पति: क्यों?
पत्नी: मुझे उल्टी नहीं आ रही है।

होमवर्क

छात्र: सर जी।
मास्टर: हां बोलो।
छात्र: मैंने जो काम नहीं किया क्या आप उसकी सजा मुझे देंगे?
मास्टर: नहीं, बिल्कुल नहीं। बोलो क्या बात है?
छात्र: मैंने आज होमवर्क नहीं किया।

आध्यात्मिक रूप से स्वयं को रखें स्वस्थ

पूरी तरह नैचरल लाइफ जीने के लिए आयुर्वेदिक टिप्स के रूप में आपके हाथों में एक सफल फिटनेस गोल का सुनिश्चित नुस्खा हो सकता है, यदि आप खुद को प्राकृतिक रूप से स्वस्थ रखने का मन बना लें। आयुर्वेद प्राचीन स्वास्थ्य जीवन प्रणाली है, यह आपको शारीरिक, मानसिक या आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ और बलवान बनाने का कार्य करता है।

क्या आप दिनभर के काम के बाद सुस्त महसूस करते हैं? क्या आपको सुबह उठने और जिम को ज्वाइन या योगा क्लास को पूरा करने के लिए उत्साह की कमी अनुभव होती है? यदि इन समस्याओं से बचने के लिए आप कैफीन युक्त चाय या कॉफी का उपयोग करते हैं तो इसे तुरंत बंद कर दें और आयुर्वेदिक जड़ी बूटियों जैसे- अश्वगंधा, ब्राम्ही और तुलसी के काढ़े का उपयोग करें। इनकी चाय या काढ़ा बनाकर आप अपनी थकान को दूर कर सकते हैं। इन जड़ी बूटियों का उपयोग करने से मानसिक तनाव में कमी होती है और शरीर में लचीलापन यानी फ्लेक्सिबिलिटी बढ़ती है। आपकी ऊर्जा का स्तर उच्च बना रहता है।

स्टैमिना का निर्माण

मानसिक तनाव और शारीरिक गतिविधि दोनों ही आपस में बहुत अच्छी तरह जुड़े हुए हैं। मानसिक तनाव में वृद्धि होती है तो शारीरिक गतिविधि में कमी आ जाती है और शारीरिक गतिविधि में कमी होती है तो मानसिक तनाव बढ़ने लगता है। इससे आपका स्टैमिना यानी काम करने की क्षमता कम होती है। शतावरी जैसी जड़ी बूटी का उपयोग आपको इस समस्या से निजात दिलाने में पूरी तरह कारगर है। अश्वगंधा और ब्राम्ही की तरह ही शतावरी भी आपके शरीर में ऑक्सीजन का स्तर बढ़ाती है। इससे आप लंबे समय तक खुद को ऊर्जावान अनुभव करते हैं और थकान का असर आपके शरीर और दिमाग पर देखने को नहीं मिलता है। इससे मांसपेशियों में दर्द, खिंचाव, जकड़न की समस्या नहीं होती है। इसलिए आप शतावरी का उपयोग भी नियमित रूप से कर सकते हैं। यहां हम एक बात पूरी तरह स्पष्ट करना चाहते हैं कि यह सच है कि आयुर्वेदिक दवाओं का कोई साइड इफेक्ट नहीं होता है। लेकिन यदि इन औषधियों को जानकारी के अभाव में गलत तरीके से लिया जाए तो अन्य बीमारियां आपको घेर सकती हैं। इसलिए आप आयुर्वेदिक चिकित्सक और वैद्य से परामर्श के बाद ही इन जड़ी बूटियों का उपयोग करें।

मेटाबॉलिज्म

यदि आपको लगता है कि आपके शरीर का मेटाबॉलिक रेट यानी उपापचय की प्रक्रिया धीमी है तो आपको अपने दैनिक आहार में कुछ खास चीजों को जरूर शामिल करना चाहिए। उपापचय उस प्रक्रिया को कहते हैं, जो भोजन के द्वारा प्राप्त तत्व से आपके शरीर को एनर्जी देने का काम करती है। ताकि आप सही प्रकार से अपना जीवन जी सकें। इसके लिए आप अपने दैनिक आहार में धनिया पाउडर, जीरा, लौंग, बड़ी इलायची, काली मिर्च इत्यादि को सम्मिलित करें। सीमित मात्रा में इन मसालों का नियमित उपयोग शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने का काम करता है। अपने दैनिक आहार में धनिया के बीज, दालचीनी, जीरा और जायफल जैसे बादाम के साथ मसाले मिलाएं, सभी सही और पर्याप्त अनुपात में मिश्रित होते हैं जो शरीर में एनर्जी वापस ला सकते हैं।

नियमित रूप से मालिश

शरीर की नियमित रूप से मालिश के लिए आपको किसी महंगे कॉस्मेटिक ऑइल की जरूरत नहीं है। बल्कि आप इसके लिए शुद्ध देसी सरसों के तेल का उपयोग करें। देसी तेल शरीर की मालिश के लिए एक अच्छा विकल्प है। सरसों का तेल एंटीबैक्टीरियल गुणों से भरपूर होता है। साथ ही यह तासीर में गर्म होता है। इस कारण यह त्वचा के रोगों से मुक्ति दिलाने का काम करता है। शरीर पर किसी भी तरह के बैक्टीरिया और फंगस को पनपने से रोकता है। शरीर द्वारा सोख लिए जाने के बाद यह अंदर जाकर नसों को लचीला और हड्डियों को मजबूत बनाने का काम करता है।

ध्यान और व्यायाम

ध्यान मानसिक सेहत के लिए और व्यायाम शारीरिक सेहत के लिए बहुत जरूरी है। ये दोनों ही विधाएं आयुर्वेद की देन हैं और इनका नियमित रूप से अभ्यास करने पर शरीर हर प्रकार के रोग से मुक्त रह सकता है। इसलिए आपको अपने दैनिक जीवन में ध्यान और व्यायाम को शामिल करना चाहिए।

सुबह खाली पेट पिए पानी

इसमें कोई शक नहीं कि पानी हमारे लिए खाना खाने जितना ही जरूरी है। हमारे शरीर के कुल वजन का दो तिहाई हिस्सा पानी ही होता है। इसके द्वारा हमें कई सारे पोषक तत्व मिलते हैं। साथ ही शरीर में मौजूद हानिकारक तत्व भी इसके द्वारा आसानी से बाहर निकल जाते हैं। नियमित रूप से पानी पीकर हम शरीर का वजन बढ़ने से रोक सकते हैं साथ ही और कई बीमारियों से भी बच सकते हैं। लेकिन अगर आप त्वचा की चमक बढ़ाना चाहते हैं साथ ही लंबे समय से चली आ रही कब्ज की समस्या से छुटकारा पाने का आसान तरीका ढूंढ रहे हैं तो सुबह-सुबह खाली पेट पानी पीना है इसके लिए बेहद फायदेमंद।

- सुबह उठते ही सबसे पहले खाली पेट पानी पीने से शरीर में मौजूद विषैले पदार्थ बहुत ही आसानी से बाहर निकल जाते हैं। खून साफ हो जाता है जिससे सबसे पहला असर आपको अपने चेहरे पर देखने को मिलता है। एक अलग ही चमक और रौनक नजर आती है।
- कब्ज से परेशान हैं तो सुबह उठते ही खाली पेट कम से कम दो से तीन गिलास पानी पीने की आदत डालें। कुछ हफ्तों तक इसे जरूर फॉलो करें जिसका फायदा आपको महसूस होने लगेगा। पेट साफ होने के बाद आप जो कुछ भी खाते हैं उसका पूरा फायदा शरीर को पहुंचता है। साथ ही कब्ज दूर होने से अन्य दूसरी गंभीर बीमारियों से भी बचा जा सकता है।
- अगर आप वजन जल्द घटाना चाह रहे हैं तो सुबह उठकर पानी पीने की आदत डालें। इससे मेटाबॉलिज्म में सुधार होता है जो वजन घटाने और मोटापा कम करने में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- सुबह उठकर पानी पीने से मासिक धर्म, पेशाब, गले और किडनी से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा मिलता है।
- सुबह उठकर पानी पीने से शरीर में नई कोशिकाएं बनती हैं। मांसपेशियों में किसी प्रकार का दर्द है तो दूर होता है साथ ही वे मजबूत होती हैं।

प्रेग्नेंसी में करें इन चीजों का सेवन

प्रेग्नेंसी के दौरान खाई जाने वाली चीजों का शिशु के विकास पर सीधा असर पड़ता है। इसलिए गर्भवती स्त्रियों को पोषक तत्वों से भरपूर चीजें खाने से परहेज नहीं करना चाहिए। इस दौरान कौन-से सुपर फूड जरूर खाने चाहिए, जानने के लिए पढ़िए यह लेख।

पालक, फॉलिक एसिड से भरपूर : यह फॉलिक एसिड का महत्वपूर्ण स्रोत है, जो गर्भवती स्त्रियों के लिए बेहद जरूरी पोषक तत्व माना जाता है। इसमें विटामिंस, मिनरल्स और कैल्शियम की भी भरपूर मात्रा होती है। इसलिए इसे डाइट में जरूर शामिल करें।

डेयरी प्रोडक्ट्स, कैल्शियम का स्रोत: गर्भावस्था में कैल्शियम बेहद आवश्यक है। डेयरी प्रोडक्ट्स कैल्शियम के सबसे महत्वपूर्ण स्रोत हैं। हड्डियों और दांतों की सुरक्षा के अलावा ये शिशु के विकास में भी मददगार हैं। प्रेग्नेंसी के दौरान रोज एक ग्लास दूध के अलावा अन्य डेयरी प्रोडक्ट्स जैसे- चीज, पनीर, दही, छाछ आदि का भी सेवन किया जाना चाहिए।

दालें, प्रोटीन भरपूर : दालों में प्रोटीन भरपूर मात्रा में होता है। इनमें आयरन, जिंक, कैल्शियम, फोलेट जैसे तत्व भी होते हैं। इसलिए गर्भावस्था के दौरान इन्हें अपनी डाइट में जरूर शामिल करें।

मौसमी फल : गर्भवती स्त्री की भोजन की थाली में मौसमी फल बेहद आवश्यक हैं। अलग-अलग रंगों के फल पोषक तत्वों, विटामिंस, एंटी-ऑक्सीडेंट्स से भरपूर होते हैं। इसलिए हरे, पीले, नारंगी, लाल, बैंगनी रंग के फल-सब्जियां नियमित खाएं। विटामिन सी से भरपूर नींबू, आंवले या संतरे का सेवन भी जरूर करें। ये प्रेग्नेंसी के दौरान स्किन से संबंधित दिक्कतों को दूर कर सकते हैं।

कैल्शियम से युक्त टोफू : इसमें न सिर्फ कैल्शियम बल्कि कैल्शियम बल्कि प्रोटीन, आयरन, विटामिन्स ए और के भी पाया जाता है। इसमें फोलिक एसिड भी होता है इसलिए गर्भावस्था में इसे डाइट का हिस्सा बनाएं।

बदलना है बोरिंग घर का डेकोर

घर की खूबसूरती हमारा हर दिन बना सकती है। यह हमारा सबसे कंफर्ट जोन होता है। घर को अक्सर लोग मेकओवर करते रहते हैं। घर का लुक बदलने के लिए यह काफी जरूरी होता है। बहुत से लोग पैसों के चलते घर का मेकओवर करने से बचते हैं। लेकिन सस्ते में भी घर का मेकओवर कर सकते हैं।

पुराने फर्नीचर को बनाएं नए जैसा

घरों में रखा फर्नीचर अगर पुराने हो जाते हैं तो वे घर का लुक बिगाड़ने का काम करते हैं। इसका कतई यह मतलब नहीं हुआ कि पुराने फर्नीचर को फेंक दें। आप इस फर्नीचर की रिपेयरिंग कराएं, उनकी सफाई कर सकते हैं। बाजार से कवर लाकर पुराने फर्नीचर पर लगा सकते हैं। इससे यह नए जैसा दिखेगा और घर भरा-भरा खूबसूरत बन जाएगा।

बदल दें घर के पर्दे

घर के पर्दे बदलकर भी मेकओवर कर सकते हैं। पर्दे घर की खूबसूरती में चार-चांद लगाने का काम करते हैं। घर में छोटे बच्चे हैं तो डार्क कलर के पर्दे ही लगाएं। ये जल्दी गंदे नहीं होते हैं। गर्मी में फ्लोरल प्रिंट वाले पर्दे चुनना समझदारी होता है। ये घर को डिफरेंट लुक देते हैं। इसलिए जब भी घर का मेकओवर करें तो पर्दों को जरूर बदलें।

घर को इस तरह सजाएं

आजकल ऑनलाइन चीजें मंगवाने का जमाना है। ऑनलाइन काफी कुछ सस्ता मिलता है। ऐसे में आप घर को सजाने के लिए शोपीस मंगवा सकते हैं। कम दाम में ये शोपीस घर के लुक को बदलने का काम करेंगे। शोपीस जब भी खरीदें गोल्डन कलर में ही खरीदें। इसे आप अपने हॉल में रख सकते हैं। किसी खाली दीवार की स्पेस भरने के लिए वॉल हैंगिंग एक अच्छा ऑप्शन है।

फैंसी झूमर : क्लासिक फ्रेंच इंटीरियर डिजाइन क्लासिक पैटर्न और फर्नीचर को आधुनिक स्पर्शों के साथ मिक्स करती है। एक्सेंट लाइटिंग और क्रिस्टल या कैंडल स्टैंड जैसे मेटलपीस से बनी लालटेन, झूमर या शाखों, कॉर्निस वाली छत को खूबसूरत बनाती है।

कुछ डिफरेंट सजावट: फ्रेंच इंटीरियर डिजाइन में हाथ से कढ़ाई किए गए मोतियों, रिबन वाले कुशन को कांसे/चांदी के आभूषणों, क्रिस्टल, चीनी मिट्टी की मूर्तियों, पुराने सूती कपड़े की पेंटिंग और बड़े नक्काशीदार फ्रेम में सजाया जाता है।

रंगों का चुनाव : रंगों की बात करें तो आमतौर पर आइवरी, हल्का नीला, प्लेटिनम, ग्रे, हरा, पीला, लैवेंडर और अन्य पेस्टल रंगों का इस्तेमाल कर सकते हैं। टेक्सचर, प्रिंट, तामझाम और प्रिंटेड फैब्रिक का अत्यधिक उपयोग करने से बचें।

थोड़ा सोच लें शादी के लिए हां करने से पहले

इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि लड़का और लड़की दोनों के जीवन में शादी उन खुशनुमा पलों में से एक है जिसका न जाने उन्हें कब से इंतजार रहता है। एक तरफ जहां लड़की दुल्हन, अंगूठी, कपड़े, डांस, रिसेप्शन और डेट नाइट्स डिनर के बारे में सोच-सोचकर ही खुश होती रहती है, तो वहीं शादी करने जा रहे लड़के को हर पल इस बात की चिंता रहती है कि क्या वह सही ढंग से आने वाली जिम्मेदारियों को संभाल पाएगा भी या नहीं। ये बात अलग है कि शादी के शुरुआती दिनों में एक-दूसरे के लिए सब कुछ करना अच्छा लगता है। लेकिन जब प्यार का पर्दा नजरों से उतरता तो वही सपनों से सजी गृहस्थी बिखरती हुई सी नजर आती है। एक रिश्ते या शादी को सुचारू रूप से चलाना पूरी तरह दो लोगों की अंडरस्टैंडिंग और उनके बीच हुए कसमों वादों पर निर्भर करता है। लेकिन जरा सा भी बैलेंस बिगड़ा तो सब धरा का धरा रह जाएगा।

- **घर का खर्चा :** अगर होने वाले पति-पत्नी दोनों ही वर्किंग हैं, तो उन्हें सबसे पहले एक-दूसरे से घर खर्च के बारे में तमाम सवाल पूछ लेने चाहिए। बिना किसी हिचकिचाहट के उन्हें इस बात पर जोर देना चाहिए कि शादी के बाद घर का खर्च कैसे बंटेगा? अगर आपकी इनकम अपने पति से कम है तो आप किन-किन जिम्मेदारियों को उठाने में सक्षम हैं। ऐसा हम इसलिए कह रहे हैं, क्योंकि एक शादी में वित्तीय स्वतंत्रता सबसे ज्यादा मायने रखती है।
- **घर की जिम्मेदारियां :** घर बसाने के लिए समय और धैर्य की सबसे ज्यादा जरूरत होती है और यह उन लोगों के लिए सबसे ज्यादा मुश्किल हो जाता है जिनकी लाइफस्टाइल बहुत ज्यादा बिजी होती है। ऐसे रिश्ते कुछ समय के लिए तो चल जाते हैं, लेकिन समय के साथ-साथ उनका बोझ दोनों लोगों की फीलिंग्स को खोखला कर देता है। ऐसे में अगर आप दोनों ही शादी करने को तैयार हैं तो घर की जिम्मेदारियों को विभाजित करना भी सही रहेगा।
- **फैमिली प्लानिंग :** यह एक सवाल है जिसको ज्यादातर लड़कियां पूछना तो चाहती हैं, लेकिन परिवार के दबाव, शर्म से संकोच की वजह से पूछ नहीं पातीं। ऐसी लड़कियों को इस बात को ऐसे समझना चाहिए कि यही सवाल आपके करियर और आने वाली जिंदगी को सुखमय बना सकता है। ऐसे में अपने पार्टनर से आप कुल कितने बच्चे चाहते हैं? बच्चों के लिए किस तरह का जीवन होना चाहिए? या लाइफ में फैमिली प्लानिंग को लेकर क्या गोल्स हैं, इन्हें पूछने में जरा भी कोताही नहीं करें।
- **परिवार के साथ रहना :** बहुत सी लड़कियों को इस बात से आपत्ति होती है कि उन्हें शादी के बाद परिवार के साथ रहना पड़ा तो उनकी आजादी बहुत हद तक खत्म हो जाएगी। इस बात को अगर शादी से पहले क्लियर कर लिया जाए तो शायद आपको किसी निष्कर्ष तक पहुंचने में आसानी होगी।

चैरी का तरीका

चैरी कौवी बहुत नटखट थी। वह अपनी दादी रीवा की लाडली थी। उसे दादी से कहानी सुनना बहुत पसंद था। एक दिन दादी उसे अपने पुरखों की कहानी सुनाते हुए बोलीं, बेटी, बहुत पहले की बात है। एक कौवा प्यासा होने पर पानी की तलाश में घूम रहा था। तभी उसे एक घड़ा नजर आया। उसने झांककर देखा, तो उसमें पानी था, लेकिन काफी कम था। यह देखकर उसने पानी में कुछ कंकड़-पत्थर डाले जिससे पानी ऊपर आ गया और उसने अपनी प्यास बुझाई। कहानी सुनकर चैरी बोली, दादी, इतने सारे पत्थर डालते-डालते तो वह कौवा बहुत थक गया होगा। दादी बोलीं, बेटी, लेकिन उसने अपनी प्यास तो बुझा ली न। हमारे सामने कभी ऐसी समस्या आती है, तो हम भी इसी तरीके से अपनी प्यास तो बुझा सकते हैं।

चैरी बोली, दादी, आप तो अब भी पुराने जमाने की ही बातें करती हैं। हम आखिर कब तक पानी में कंकड़-पत्थर डाल कर अपनी प्यास बुझाते रहेंगे? अब समय आ गया है कि कोई नया तरीका सोचा जाए, जिसमें ज्यादा समय और मेहनत भी न लगे और हम पानी भी पी लें। उसकी बातें सुनकर दादी के चेहरे पर मुस्कुराहट आ गई। वह बोलीं, चलो, देखती हूं कि क्या तुम कभी ऐसा कोई नायाब तरीका सोच पाओगी? खैर, अभी तो हमें पानी की कोई परेशानी नहीं है। नंदनवन में पानी और हरियाली है। यहां के तालाब साफ-स्वच्छ पानी से हमेशा भरे रहते हैं।

चैरी बोली, दादी, नंदनवन में तो सब ठीक है, पर पता है, आजकल इनसानों की बस्ती में पानी की बहुत कमी हो गई है। हमारी साइंस की मैडम पिंटो उस कक्षा में बता रही थीं कि गर्मी के मौसम में इंसानों को पीने का पानी भी नहीं मिल पा रहा है। बहुत सारे इंसान तो पानी के लिए आपस में लड़ाई भी कर रहे हैं। चैरी की बातें सुनकर दादी परेशान हो गईं। चैरी उत्सुकता से बोली, दादी, नंदनवन से इंसानों की बस्ती कितनी दूर होगी? दादी बोलीं, ज्यादा दूर नहीं है। पर तुम यह क्यों पूछ रही हो? चैरी बोली, मेरी प्यारी दादी, कल संडे है। क्या तुम मुझे घुमाने के लिए इनसानों की बस्ती की ओर ले चलोगी न। अगले दिन खाना खाने और पानी पीने के बाद दादी चैरी के साथ इनसानों की बस्ती की ओर चल पड़ीं। दोनों उड़ते-उड़ते किसी पहुंचीं। दादी बहुत थक गई थीं। वे जिस बस्ती में उतरीं, वहां पानी की बहुत किल्लत थी। बस्ती में सफाई न होने के कारण बदबू आ रही थी। वहां उन्होंने देखा कि एक बच्चा सार्वजनिक नल पर हाथ धोने आया और नल खुला छोड़ गया। यह देखकर चैरी तुरंत नल के पास गई और अपनी चोंच से उसे बंद करने लगी। यह देखकर वहां मौजूद लोगों ने चैरी के नल बंद करते हुए सीन का वीडियो बना लिया। एक इंसान बोला, यार, हम लोग आए दिन पानी बरबाद करते हैं। हमसे बेहतर तो ये पक्षी हैं, जो पानी की कीमत समझते हैं। यह सुनकर सब चैरी को प्रशंसा की नजरों से देखने लगे।

चैरी बोली, दादी, अब हम वापस अपने नंदनवन चलते हैं। इसके बाद वे दोनों नंदनवन की ओर उड़ चलीं। गर्मी तेज थी, इसलिए चैरी की दादी उड़ते-उड़ते थक गईं। वह बोलीं, बेटी, चलो कहीं चलकर पानी पिएं। मुझे बहुत प्यास लग रही है। काफी ढूंढने के बाद उन्हें एक घड़ा नजर आया। उसने घड़े में झांककर देखा तो उसे अपने पूर्वजों की याद आ गई। घड़े में पानी बहुत कम था। चैरी ने पानी तक पहुंचने की बहुत कोशिश की, लेकिन असफल रही। तभी उसकी नजर कुछ दूरी पर पड़ी एक प्लास्टिक के स्ट्रॉ पर पड़ी जिसे देखकर उसके दिमाग में एक आइडिया आया। उसने फटाफट वह स्ट्रॉ उठाया और घड़े के पास रख दिया। इसके बाद वह अपनी दादी को अपने साथ वहां ले आई।

फिर उसने उस स्ट्रॉ के एक सिरे को घड़े के अंदर डाला और दूसरे सिरे को अपने पंजों से पकड़ लिया। दादी ने उस पतले स्ट्रॉ से उसी तरह पानी पी लिया जैसे इंसानों के बच्चे स्ट्रॉ से कोल्ड ड्रिंक पीते हैं। फिर चैरी ने भी इसी तरह पानी पिया। दोनों खुशी-खुशी घर की ओर लौट चलीं।

राजनांदगांव को 43 करोड़ 61 लाख की सौगात : प्रदेश का सबसे बड़ा 2000 सीटर ऑडिटोरियम बनेगा

विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह और उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने किया भूमिपूजन

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

राजनांदगांव शहर को शनिवार को 43 करोड़ 61 लाख 26 हजार रुपये के विभिन्न विकास कार्यों की सौगात मिली। विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह और उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने शहर में 15 करोड़ 92 लाख रुपये की लागत से बनने वाले प्रदेश के सबसे बड़े 2000 सीटर ऑडिटोरियम सहित सड़क, नाली, पेयजल और सामुदायिक भवनों का भूमिपूजन किया।

2000 सीटर ऑडिटोरियम बनेगा मुख्य आकर्षण

कार्यक्रम में सबसे बड़ी घोषणा 2000 सीटर ऑडिटोरियम की रही। विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह ने कहा कि यह ऑडिटोरियम शहर के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि होगी। इसमें बड़े आयोजनों के लिए पर्याप्त सुविधाएं, पार्किंग, कॉरिडोर और एक साथ लगभग एक हजार लोगों के बैठकर भोजन करने की व्यवस्था होगी। यह राजनांदगांव के साथ आसपास के नगरीय क्षेत्रों के लिए भी प्रमुख आयोजन केंद्र बनेगा।

.नेताओं ने कही ये बातें.

विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राजनांदगांव के सभी क्षेत्रों में विकास को गति मिली है। उन्होंने नगर निगम क्षेत्र में पेयजल व्यवस्था मजबूत करने के लिए अतिरिक्त 10 एमएलडी जल शोधन संयंत्र और गोविंदराम निर्मलकर ऑडिटोरियम के पीछे गरीब-मध्यमवर्गीय परिवारों के आयोजन के लिए शेड बनाने का प्रस्ताव रखा। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने बताया कि सरकार बनने के बाद पिछले दो वर्षों में राजनांदगांव नगर निगम को लगभग 267 करोड़ रुपये विकास कार्यों के लिए मिले हैं। उन्होंने गांधी चौक, पोस्ट ऑफिस चौक के सौंदर्यीकरण के लिए 3 करोड़, रानी सागर-बूढ़ा सागर तालाब पुनविर्कास के लिए 14 करोड़, जीई रोड चौड़ीकरण के लिए 6.85 करोड़, आरके नगर से डोंगरगांव रोड सड़क के लिए 6.90 करोड़ रुपये की स्वीकृति शीघ्र दिलाने की जानकारी दी। साथ ही मोहारा जल संयंत्र मरम्मत और ढाबा, गौरीनगर, गोकुलनगर में ओवरहेड टैंक के लिए 12.61 करोड़ की स्वीकृति का भी उल्लेख किया।

सांसद संतोष पाण्डेय ने कहा कि परमालकसा-खरसिया नई रेल लाइन और डोंगरगढ़-कटघोरा नई लाइन की स्वीकृति से जिले को बड़ी सुविधा मिलेगी। राजनांदगांव और डोंगरगढ़ रेलवे स्टेशन को मॉडल स्टेशन के रूप में विकसित किया जा रहा है। महापौर मधुसूदन यादव ने कहा कि शहर में पहले से 800 सीटर ऑडिटोरियम है। नया 2000 सीटर बनने से बड़े आयोजन के लिए व्यवस्थित स्थल मिलेगा।

.51 वार्डों में होंगे अधोसंरचना कार्य

* 51 वार्डों में होंगे अधोसंरचना कार्य.

भूमिपूजन किए गए कार्यों में शामिल हैं :

* 15वें वित्त आयोग अनटाइड ग्रांट.: 12 करोड़ 9 लाख 44 हजार रुपये से सड़क, नाली, विद्युतीकरण
* अधोसंरचना मद.: 11 करोड़ 57 लाख रुपये से सड़क, नाली, मुक्तिधाम उन्नयन, सामुदायिक भवन
* मुख्यमंत्री घोषणा.: 1 करोड़ रुपये से 4 वार्डों में सड़क, नाली, सामुदायिक भवन
* 15वें वित्त आयोग टाइड ग्रांट पेयजल.: 3 करोड़ 2 लाख 82 हजार रुपये से पाइपलाइन विस्तार

.कार्यक्रम में उपस्थित.

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल अध्यक्ष नीलू शर्मा, श्रम कल्याण मंडल अध्यक्ष योगेश दत्त मिश्रा, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक अध्यक्ष सचिन बघेल, राजगामी संपदा न्यास अध्यक्ष पूणिर्मा साहू, सभापति पारस वर्मा, पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा सहित जनप्रतिनिधि, पार्षद और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

सम्मानपुर नकटी के पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाएगी छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना : डॉ. अजय

विधिक लड़ाई और जनआंदोलन का ऐलान, मुफ्त कानूनी सहायता देने की घोषणा

नई दृष्टिबिंदु /रायपुर।

छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना के प्रमुख डॉ. अजय यादव जेल से रिहा होने के बाद बुधवार को ग्राम पंचायत नकटी, सम्मानपुर पहुंचे। उन्होंने प्रशासनिक कार्रवाई से प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर ध्वस्त मकानों और घटनास्थल का निरीक्षण किया। संगठन ने पीड़ितों को हरसंभव विधिक एवं जनआंदोलनात्मक सहयोग का आश्वासन दिया।

डॉ. अजय यादव ने कहा कि सम्मानपुर के ग्रामीणों के अधिकारों की रक्षा के लिए संगठन शुरू से संघर्षरत है। जब तक संगठन का नेतृत्व मैदान में था तब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। लेकिन संगठन के प्रमुख डॉ. अजय यादव और जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के अध्यक्ष अमित बघेल के जेल जाने के बाद प्रशासन ने सम्मानपुर ग्राम पंचायत के 77 परिवारों के मकानों को अवैध बताते हुए ध्वस्त कर दिया। इससे कई परिवार खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं।

बैठक में संगठन द्वारा तैयार विस्तृत विधिक प्रतिवेदन भी प्रस्तुत किया गया। संगठन के अनुसार यह प्रतिवेदन राजस्व अभिलेखों, ग्राम सभा प्रस्तावों, शासन के दिशा-निर्देशों, सवीच्च न्यायालय के निणर्यो और दस्तावेजों के आधार पर बनाया गया है। इसमें सार्वजनिक निस्तार भूमि के संरक्षण, ग्राम सभा के अधिकार और विधिक प्रक्रिया के बिंदुओं का उल्लेख है।

संगठन का कहना है कि यदि ग्राम सभा के सर्वसम्मत प्रस्ताव की उपेक्षा कर या विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया का पालन किए बिना ध्वस्तीकरण हुआ है, तो ऐसे मामलों की न्यायिक समीक्षा जरूरी है।

.ये कदम उठाएगी संगठन.

छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना ने घोषणा की कि विधिक प्रतिवेदन को आधिकारिक कायर्वाही का हिस्सा बनाकर निम्न कदम उठाए जाएंगे: कानूनी लड़ाई.: प्रभावित परिवारों की ओर से सक्षम न्यायालयों में केस दायर किया जाएगा

- .कारर्वाई की मांग.: यदि किसी अधिकारी द्वारा कानून विरुद्ध कार्वाई पाई जाती है तो विभागीय और वैधानिक कार्वाई की मांग होगी .मुफ्त सहायता.: प्रभावितों को निःशुल्क विधिक सहायता दी जाएगी। कोर्ट का खर्च संगठन वहन करेगा

निरंतर संघर्ष.: पुनर्वास और मुआवजा मिलने तक आंदोलन जारी रहेगा

डॉ. अजय यादव ने कहा, "हमारा संघर्ष किसी व्यक्ति के खिलाफ नहीं है। यह संविधान, विधि के शासन और ग्रामीणों के अधिकारों की रक्षा के लिए है। हम लोकतांत्रिक तरीके से हर मंच पर पीड़ितों का पक्ष रखेंगे और न्याय मिलने तक साथ खड़े रहेंगे।" बैठक में ग्रामीणों और संगठन पदाधिकारियों ने संकल्प लिया कि सम्मानपुर नकटी के किसी भी प्रभावित परिवार को अकेला नहीं छोड़ा जाएगा।

नॉर्थ जोन पुलिस का विशेष अभियान : 5 आरोपियों पर कार्रवाई

आर्म्स एक्ट, पॉक्सो, चोरी सहित विभिन्न मामलों में गिरफ्तारी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर अपराध एवं असामाजिक तत्वों पर नियंत्रण के लिए नॉर्थ जोन पुलिस ने विशेष अभियान चलाया। पुलिस उपायुक्त नॉर्थ जोन दीपमाला कश्यप के मार्गदर्शन में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आदित्य पाण्डेय, सहायक पुलिस आयुक्त उरला पूणिर्मा लामा और सहायक पुलिस आयुक्त पण्डरी कृष्ण कुमार चंद्राकर के निर्देशन में खमतराई, उरला, गुढ़ियारी, पण्डरी और खम्हारडीह थाना पुलिस ने कार्रवाई की। अभियान के तहत कुल 5 प्रकरणों में कार्रवाई कर 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

गुढ़ियारी क्षेत्र निवासी नाबालिग पीड़िता की मां ने शिकायत दर्ज कराई कि पड़ोस में रहने वाला आरोपी रजनीश जांगड़े पिता पुनि राम जांगड़े गलत नियत से छेड़छाड़ कर रहा था। सूचना पर तत्काल अपराध पंजीबद्ध कर 6 घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेजा गया।

आर्म्स एक्ट प्रकरण क्रमांक 324/2026, धारा 25 आर्म्स एक्ट*: आरोपी विकास गोस्वामी पिता पीरेज गोस्वामी, उम्र 22 वर्ष के पास प्रतिबंधित चाकूनुमा हथियार पाए जाने पर गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेजा गया। आर्म्स एक्ट प्रकरण क्रमांक 369/2026, धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट*: आरोपी चोमेश गंधर्व पिता मोहित गंधर्व, उम्र 22 वर्ष, निवासी शहीद नगर, बिरगांव को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेजा गया।

चोरी प्रकरण क्रमांक 265/2026, धारा 303(2) बीएनएस आरोपी निखिल सूयर्वंशी पिता बिसंबर सूयर्वंशी, उम्र 19 वर्ष, निवासी वीआईपी स्टेट, हाल निवासी ग्राम सरगांव, थाना सरागांव, जिला सक्ती को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेजा गया।

अंतरराष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता में भिलाई की अभिषेक एकेडमी के खिलाड़ियों ने जीते 20 पदक

नई दृष्टिबिंदु /भिलाईनगर

अभिषेक मार्शल आर्ट्स एंड स्पोर्ट्स अकादमी, रिसाली के खिलाड़ियों ने कोलकाता में आयोजित 10वीं इंटरनेशनल कराटे चैंपियनशिपझ्इंडियन चैलेंजर्स कप 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत का परचम लहराया। एकेडमी के खिलाड़ियों ने 9 स्वर्ण, 7 रजत और 4 कांस्य सहित कुल 20 पदक जीतकर छत्तीसगढ़ और भारत का गौरव बढ़ाया।

रविवार को परमेश्वरी भवन रिसाली में पदक विजेता खिलाड़ियों का भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि अभिषेक मार्शल आर्ट्स एकेडमी के संरक्षक और वरिष्ठजन कल्याण महासंघ के अध्यक्ष घनश्याम कुमार देवांगन थे।

मुख्य अतिथि घनश्याम कुमार देवांगन ने कहा, "जीत का कोई शॉर्टकट नहीं होता। निरंतर अभ्यास, अनुशासन, कठिन परिश्रम और अपने हुनर को निखारने से ही सफलता मिलती है। इन खिलाड़ियों ने 9 स्वर्ण सहित 20 पदक जीतकर देश, छत्तीसगढ़ और भिलाई का नाम रोशन किया है। यह केवल पदकों की जीत नहीं, बल्कि समर्पण और दृढ़ संकल्प की जीत है। ये युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा हैं।"

विशिष्ट अतिथि फोनिक्स शीतों रियो कराटे डू इंडिया के डायरेक्टर रेशी अमल तालुकदार, शुभि जियोटेक्निकल प्रा.लिमिटेड की डायरेक्टर धनेश्वरी साहू, रिसाली पार्षद धर्मेंद्र भगत, एकेडमी के संस्थापक एवं मुख्य प्रशिक्षक ब्लैक बेल्ट थर्ड डैन अभिषेक कुमार और को-फाउंडर सेंसेई अंजू ने भी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं।

सेशिंकाई शितो-रयु कराटे डू फेडरेशन द्वारा 31 जुलाई से 2 अगस्त 2026 तक नेताजी इंडोर स्टेडियम, कोलकाता में आयोजित इस प्रतियोगिता में भारत, नेपाल, यूएई, यूके, भूटान, श्रीलंका, ओमान, इंडोनेशिया, दक्षिण अफ्रीका सहित अन्य देशों के लगभग 8100 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया।

इस प्रतियोगिता में अभिषेक एकेडमी के खिलाड़ियों को शुभि जियोटेक्निकल प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रायोजित किया गया था।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100